सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 12 ● अंक 116 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार 2 जून, 2026

मूल्य ₹ 3/-

किसी के लिए अपना सब कुछ कुर्बान कर देना इतना मुश्किल नहीं है, लेकिन उस इंसान को खोज पाना मुश्किल है जो आपके कुर्बानी का सम्मान करे।

–ब्रह्माकुमारी शिवानी

टेस्ट और टी20 के नियमों में बड़े बदलावो... 7 | पंजाब के झटके के बाद हिमाचल... 3 | सपा ने विस चुनाव के लिए ताकत... 2

इंस्टाग्राम पर 4PM मिडिल ईस्ट के फॉलोअर्स का आंकड़ा एक लाख के पार

दर्शकों के बीच बनाया नया कीर्तिमान

- मिडिल ईस्ट में 4PM की धमाकेदार एंट्री
- महज कुछ दिनों में इस आसमान सी ऊंचाई को पा लिया
- करोड़ों दिलों पर दस्तक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कभी-कभी आंकड़े सिर्फ आंकड़े नहीं होते, वह भावनाओं की भाषा बोलते हैं। वह बताते हैं कि सफर में कितने लोग साथ चले कितनी उम्मीदें जुड़ीं और कितना भरोसा किसी नाम के साथ खड़ा हुआ।

4PM मिडिल ईस्ट के लिए इंस्टाग्राम पर एक लाख फॉलोअर्स का आंकड़ा ऐसा ही एक पड़ाव है, एक ऐसा मुकाम जहां पहुंचकर जश्न के साथ उन तमाम लोगों को धन्यवाद भी दिया जाता है जिन्होंने इस सफर को संभव बनाया। 4PM मिडिल ईस्ट के अपने तमाम दर्शकों का, सहयोगियों का तहे दिल से शुक्रिया अदा करता है और वादा करता है कि वह मिडिल ईस्ट के लोगों की अपेक्षाओं पर हमेशा खरा उतरने की कोशिश करता रहेगा।

उपलब्धि अपने साथ नई जिम्मेदारियां लेकर आती है

4PM के संपादक संजय शर्मा ने 4PM की इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए बताया कि ऐसा अनेको बार हुआ कि वीडियो वायरल हुए कई बार रिपोर्ट पर लंबी बहस छिड़ी कई बार दर्शकों ने अपनी राय रखी असहमति जताई सुझाव दिए और समर्थन भी किया। यही संवाद इस मंच की सबसे बड़ी पूंजी बन गया। क्योंकि पत्रकारिता तब सबसे ज्यादा जीवंत होती है जब वह लोगों के साथ संवाद करती है न कि सिर्फ उनके सामने बोलती हो। हर महीने करोड़ों व्यूज का आंकड़ा यह बताता है कि लोग सिर्फ 4PM को देख नहीं रहे बल्कि जुड़ भी रहे हैं। वह इंतजार करते हैं प्रतिक्रिया देते हैं चर्चा करते हैं और खबरों को आगे बढ़ाते हैं। यह किसी भी मीडिया मंच के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि होती है। आखिरकार पत्रकारिता का उद्देश्य सिर्फ सूचना देना नहीं बल्कि समाज के साथ एक जीवंत रिश्ता बनाना भी होता है। एक लाख फॉलोअर्स का यह मुकाम इसलिए भी खास है क्योंकि यह अंत नहीं बल्कि एक नई शुरुआत है। हर उपलब्धि अपने साथ नई जिम्मेदारियां लेकर आती है। जब भरोसा बढ़ता है तो जवाबदेही भी बढ़ती है। जब दर्शकों का परिवार बड़ा होता है तो उनकी अपेक्षाएं भी बढ़ती हैं। यही वह चुनौती है जिसे 4PM मिडिल ईस्ट भी स्वीकार करना चाहता है।

दुबई से उठी आवाज 4PM जिंदाबाद

विश्वास का जश्न है ये उपलब्धि

यह जश्न सिर्फ एक डिजिटल उपलब्धि का नहीं है। यह उस विश्वास का जश्न है जो मिडिल ईस्ट के दर्शकों ने दिया। यह उस रिश्ते का जश्न है जो स्क्रीन के दोनों ओर बैठे लोगों के बीच बना। यह उस यकीन का जश्न है कि सच बोलने की कोशिश अभी भी लोगों तक पहुंचती है उसे सुना जाता है और उसे सम्मान मिलता है। आज जब 4PM मिडिल ईस्ट इंस्टाग्राम पर एक लाख फॉलोअर्स के पड़ाव पर खड़ा है तो सबसे पहले सिर झुकता है उन दर्शकों के सामने जिन्होंने हर वीडियो को देखा हर सवाल को महत्व दिया और हर कोशिश को अपना समर्थन दिया। यही प्यार इस मंच की ताकत है। यही भरोसा इसकी पूंजी है। और यही विश्वास आने वाले समय की सबसे बड़ी प्रेरणा है। सफर जारी है। रास्ते अभी लंबे हैं। कहानियां अभी बाकी हैं। मुद्दे अभी और उठाने हैं। आवाज को अभी और बुलंद करना है। लेकिन आज इतना जरूर कहना चाहता हूं कि दुबई से उठी यह आवाज अब लाखों दिलों तक पहुंच चुकी है और यह कारवां आगे भी बढ़ता रहेगा क्योंकि आंकड़े इतिहास बनाते हैं लेकिन भरोसा भविष्य बनाता है।

4PM Middle East

ऊंची इमारतों के बीच... चमकता सितारा 4PM

दुबई की चमकती इमारतों खाड़ी देशों की व्यस्त जिंदगी और हजारों किलोमीटर दूर अपने वतन की खबरों से जुड़े रहने की चाह रखने वाले लाखों लोगों के बीच कुछ ही दिनों में 4PM मिडिल ईस्ट ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक अलग पहचान बना ली है। यह पहचान सिर्फ वीडियो की नहीं बल्कि उस भरोसे की है जो दर्शकों ने अपने दिल से दिया है। एक लाख फॉलोअर्स। सुनने में यह एक संख्या लग सकती है लेकिन इसके पीछे एक लाख कहानियां हैं। एक लाख उम्मीदें हैं। एक लाख ऐसे लोग हैं जिन्होंने किसी न किसी दिन किसी न किसी न्यूज-व्यूज व किसी न किसी रिपोर्ट या सवाल में अपनी आवाज की झलक देखी होगी और और कहा होगा कि हां यह मंच हमारी बात करता है। आज जब हर दिन सूचना का सैलाब बह रहा है खबर और शोर के बीच की दूरी लगातार कम होती जा रही है ऐसे दौर में दर्शकों का विश्वास जीतना आसान नहीं होता। लोग सिर्फ खबर नहीं देखते वह नीयत भी देखते हैं। वह सिर्फ शब्द नहीं सुनते वह उसके पीछे की सच्चाई भी महसूस करते हैं। यही कारण है कि मिडिल ईस्ट के दर्शकों ने 4PM के इंस्टाग्राम को सिर्फ एक प्लेटफार्म की तरह नहीं बल्कि एक भरोसेमंद साथी की तरह अपनाया।

एक दिन में तय नहीं हुआ सफर

यह सफर किसी एक दिन में तय नहीं हुआ। इसके पीछे अनगिनत घंटे हैं मेहनत है रिसर्च है और कैमरे के सामने और कैमरे के पीछे काम करने वाली पूरी टीम का समर्पण है। हर वीडियो के पीछे एक कोशिश रही कि सवाल वही पूछे जाएं जिन्हें पूछने की जरूरत है मुद्दे वही उठाए जाएं जो लोगों की जिंदगी को प्रभावित करते हैं और खबर वही दिखाई जाए जो सच के सबसे करीब हो। दुबई से लेकर अबू धाबी, शारजाह से लेकर रियाद, दोहा से लेकर कुवैत और बहरीन तक लाखों भारतीय और दक्षिण एशियाई मूल के लोग अपने सपनों को पूरा करने के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। उनके लिए अपने देश अपने समाज और अपने समय से जुड़े रहना हमेशा आसान नहीं होता। ऐसे में 4PM मिडिल ईस्ट ने सिर्फ खबरें नहीं पहुंचाई बल्कि एक भावनात्मक पुल भी बनाया ऐसा पुल जो हजारों किलोमीटर की दूरी को कुछ मिनटों में ही मिटा देता है।

सपा ने विस चुनाव के लिए ताकत झोंकी

» पार्टी ठोक बजाकर चुनेगी प्रत्याशी

» सपा प्रमुख अखिलेश ने मोर्चा खुद संभाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में 27 चुनाव के लिए सपा ने पूरी ताकत झोंक दी है। पार्टी चुनाव से पहले उम्मीदवारों का सर्वे करा रही। सपा प्रमुख अखिलेश खुद निगरानी कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी उम्मीदवारों का सर्वे करा रही हैसर्वे में प्राइवेट एजेंसी के सर्वे और स्थानीय नेताओं के फीडबैक को एक साथ शामिल किया जा रहापार्टी इस बार टिकट वितरण में सिफारिशों को नकारकर केवल जनाधार और छवि के आधार पर उम्मीदवार चुनेगी। यूपी में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी ने कमर कस ली है।

समाजवादी पार्टी 27 के चुनाव से पहले संभावित उम्मीदवारों की जमीनी पकड़ मजबूत करने के लिए सर्वे करवा रही है। अलग-अलग स्तर पर उम्मीदवारों को परख रही है। यही मॉडल सपा ने लोकसभा चुनाव में भी फॉलो किया था। सप प्रमुख अखिलेश यादव खुद ही उम्मीदवारों के चयन को देख रहे हैं।

पूर्व आईएएस अधिकारी आलोक रंजन देंगे रिपोर्ट

टीम का नेतृत्व पूर्व आईएएस अधिकारी आलोक रंजन कर रहे हैं। आलोक रंजन ने अपनी रिपोर्ट में कांग्रेस को गठबंधन के तहत 70 से 75 सीटें देने का सुझाव दिया है। हाल ही में अखिलेश यादव ने बीजेपी पर अनैतिक तरीकों से चुनाव जीतने का आरोप लगाया और दावा किया कि लोग भविष्य के चुनावों में पार्टी की राजनीतिक चालों को नाकाम कर देंगे। यादव ने दावा किया कि मतदाता भाजपा को 2027 के चुनावों में खारिज कर देंगे। यादव ने दावा किया इस बार जनता भाजपा की सारी तिकड़म निकाल देगी। भाजपा हारेगी और फिर कभी नहीं आएगी।

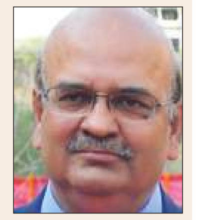

उम्मीदवारों का सर्वे

समाजवादी पार्टी के इस पूरे सर्वे की निगरानी खुद सपा प्रमुख अखिलेश यादव कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी उम्मीदवारों की मजबूती को दो स्तरों पर परखा रही है। प्राइवेट एजेंसी के सर्वे द्वारा,स्थानीय नेताओं के फीडबैक के आधार पर। इस बार टिकट वितरण में किसी भी तरह की सिफारिश नहीं चलेगी। केवल सर्वे और फीडबैक को ही प्राथमिकता दी जाएगी। पार्टी केवल उन्हीं उम्मीदवारों को मैदान में उतारेगी जिनका जनता में मजबूत जनाधार हो, छवि बेदाग हो और जो जिताऊ कैंडिडेट हों।

रखेगी 120 विधानसभा सीटों की डिमांड

वहीं, यह बात भी सामने आ रही है कि कांग्रेस शुरुआती बातचीत में करीब 120 सीटों की मांग रख सकती है। हालांकि, अंतिम समझौता लगभग 80 सीटों के आसपास होने की उम्मीद है। दोनों दलों के शीर्ष नेतृत्व गठबंधन के पक्ष में हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर कई नेता सीटें कम होने की आशंका के चलते असहज हैं।

सपा-कांग्रेस गठबंधन के पक्ष में नहीं कई नेता

कांग्रेस के कुछ वरिष्ठ नेता मानते हैं कि चुनाव से पहले गठबंधन होने पर बीजेपी को तुष्टिकरण और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों पर हमला करने का मौका मिलेगा। इसलिए वे गठबंधन के खिलाफ भी राय रख रहे हैं। दूसरी ओर, सपा नेताओं का तर्क है कि कांग्रेस का प्रदेश में संगठनात्मक आधार कमजोर है, जबकि कांग्रेस का दावा है कि 24 लोकसभा चुनाव में गठबंधन की सफलता में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। दोनों दलों के रिश्तों में पहले भी उतार-चढ़ाव रहे हैं। साल 23 में बयानबाजी को लेकर तनाव हुआ था, लेकिन बाद में राहुल गांधी और अखिलेश यादव की बातचीत के बाद 24 लोकसभा चुनाव के लिए समझौता हुआ था।

बिक्रम सिंह मजीठिया के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमृतसर। पूर्व मंत्री और शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता बिक्रम सिंह मजीठिया के खिलाफ पंजाब पुलिस की ओर से लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी करवाया गया है। इस कार्रवाई के बाद अब मजीठिया बिना संबंधित एजेंसियों की अनुमति के देश से बाहर यात्रा नहीं कर सकेंगे।

जानकारी के अनुसार, लुकआउट सर्कुलर जारी होने के बाद देश के सभी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों और इमिग्रेशन चेक पोस्टों पर मजीठिया के संबंध में अलर्ट जारी कर दिया गया है। यदि वह विदेश जाने का प्रयास करते हैं तो संबंधित एजेंसियों को इसकी सूचना दी जाएगी और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब मजीठा थाना प्रकरण में पुलिस और अकाली दल के बीच टकराव की स्थिति बनी हुई है। पुलिस पहले ही इस मामले में कई लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर चुकी है और विभिन्न स्थानों पर छापेमारी भी कर रही है।

आपदा से निपटने के लिए स्कूली बच्चों को प्रशिक्षण देगी सरकार : सीएम सुक्खू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए राज्य सरकार पंचायतों, महिला एवं युवा मंडलों और स्कूली बच्चों के लिए विशेष प्रशिक्षण शुरू करेगी। इससे जमीनी स्तर पर आपदा तैयारी की संस्कृति विकसित होगी। यह पहल न केवल इन कार्यों में सामुदायिक भागीदारी सुनिश्चित करेगी, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं के दौरान होने वाले नुकसान को भी कम करने में मदद करेगी। इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए एक समर्पित परियोजना प्रबंधन इकाई गठित की जाएगी।

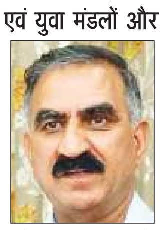

मुख्यमंत्री ने सोमवार को शिमला में कहा कि प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती घटनाओं को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार जन सुरक्षा एवं प्रभावी आपदा प्रबंधन के लिए सक्षम एवं प्रतिरोधी अधोसंरचना के निर्माण की दिशा में काम कर रही है। इस क्रम में 2,688 करोड़ की हिमाचल प्रदेश रेजिलिएंट एक्शन फॉर डेवलपमेंट एंड डिजास्टर रिकवरी (एचपी-रेडी) परियोजना शुरू की गई है। इसका उद्देश्य प्रदेश भर में आपदा-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाना है। यह प्रोजेक्ट नवंबर 2030 तक लागू रहेगा। इसमें आपदा से निपटने की तैयारी, आपदा न्यूनीकरण और पुनर्वास तंत्र को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

तीन साल में हिमाचल में बादल फटने की 66 से अधिक घटनाएं

उन्होंने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण उत्पन्न परिस्थितियों से हिमाचल प्रदेश सबसे ज्यादा प्रभावित है। पिछले तीन साल में राज्य में 66 से अधिक बादल फटने की घटनाएं, 234 भूस्खलन और 121 फ्लैश फ्लड की घटनाएं दर्ज की गई हैं। इन आपदाओं में बड़ी संख्या में जन हानि के साथ सार्वजनिक और निजी संपत्ति को करोड़ों का नुकसान हुआ था। इसके अतिरिक्त आपदा के कारण सामान्य जनजीवन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। एचपी-रेडी परियोजना के तहत प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों को मजबूत करने, आपदा-रोधी अवसंरचना के निर्माण वैज्ञानिक भू-उपयोग योजना अपनाने और विभिन्न विभागों के समन्वय के माध्यम से सामुदायिक तैयारी को बेहतर बनाने पर विशेष बल दिया जाएगा।

सियासी प्रतिशोध से लोकतंत्र खतरे में : ममता

» टीएमसी प्रमुख ने भाजपा सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने सोमवार को भाजपा और कानून प्रवर्तन एजेंसियों पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि पुलिस टीएमसी विधायकों और सांसदों को पार्टी छोड़ने और भाजपा में शामिल होने के लिए धमका रही है। उन्होंने दावा किया कि पार्टी को कमजोर करने के लिए धमकी और प्रलोभन का अभियान चल रहा है।

बनर्जी ने दलबदल और तृणमूल कांग्रेस के भीतर आंतरिक अशांति की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि केंद्र के लगातार राजनीतिक दबाव के बावजूद पार्टी और मजबूत होकर उभरेगी। बनर्जी ने कहा कि टीएमसी और भी मजबूत होगी। कुछ विधायकों और सांसदों को डराकर या रिश्वत देकर टीएमसी को कमजोर नहीं किया जा सकता। वास्तव में, इससे पार्टी और मजबूत हो रही है। बनर्जी की ये टिप्पणियां टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी से जुड़े एक नए राजनीतिक विवाद के बीच आई हैं, जिन्होंने आरोप लगाया है कि भाजपा के पार्टी कार्यकर्ताओं ने उन पर शारीरिक हमला किया था। ङ्ग पर एक पोस्ट में कल्याण बनर्जी ने दावा किया कि उनके सिर पर किसी कठोर वस्तु से हमला किया गया, जिससे उन्हें चोटें आईं और सीने में तेज दर्द हुआ। उन्होंने लिखा कि हमले की प्रकृति स्पष्ट रूप से गंभीर चोट पहुंचाने का संकेत देती है, अगर जान लेने का प्रयास नहीं तो।

यह घटना टीएमसी नेतृत्व के लिए एकजुटता का मुद्दा बन गई है, जहां ममता बनर्जी ने विपक्षी नेताओं के लिए चिकित्सा उपचार और सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहने का आरोप अधिकारियों पर लगाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि डॉक्टरों को बुलाए जाने के बावजूद, अस्पतालों पर इलाज न देने का दबाव डाला गया, और इस घटना को चौंकाने वाला बताते हुए इसे राजनीतिक प्रतिशोध का सबूत बताया।जारी एक वीडियो बयान में, बनर्जी ने सप्ताहांत में भीड़ के साथ हुई झड़पों सहित हमलों पर दी गई प्रतिक्रिया की आलोचना की। उन्होंने कहा कि आपने दूसरी सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी के सांसद पर जिस तरह से हमला किया, वह चौंकाने वाला है। डॉक्टरों को बुलाया गया, फिर भी अस्पतालों को कथित तौर पर इलाज न करने का निर्देश दिया गया।

तृणमूल कांग्रेस और भी मजबूत होकर उभरेगी

तृणमूल कांग्रेस और भी मजबूत होकर उभरेगी। उन्होंने कहा कि टीएमसी और भी मजबूत होगी। आज जो लोग यह दावा कर रहे हैं कि पार्टी नेता कार्यकर्ताओं का साथ नहीं दे रहे हैं, वे झूठी जानकारी फैला रहे हैं। पूरी तरह से अराजकता फैली हुई है - हिटलर ने भी ऐसा नहीं किया था। इस स्थिति का वर्णन करने के लिए शब्द ही नहीं बचे हैं, क्योंकि जब भाषा ही विफल हो जाती है, तो इसका मतलब है कि दमन ने सारी हदें पार कर दी हैं। कुछ विधायकों और सांसदों को डरा-धमकाकर या रिश्वत देकर टीएमसी को कमजोर नहीं किया जा सकता; बल्कि इससे पार्टी और भी मजबूत हो रही है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

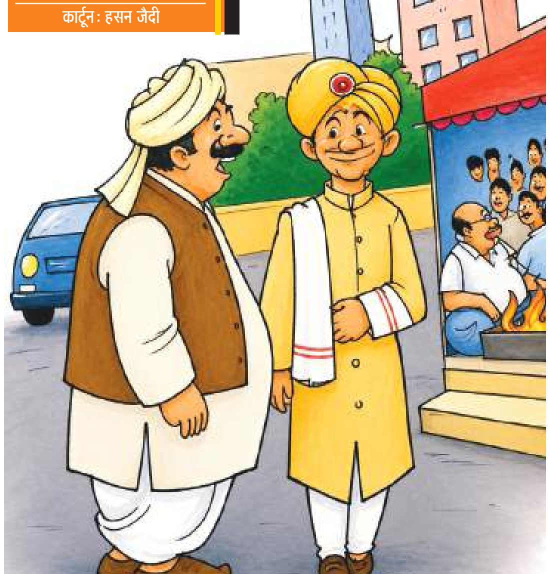

निकाय-पंचायत चुनाव में कांग्रेस को जनसमर्थन : विनय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार ने कहा है कि हाल ही में संपन्न शहरी निकाय एवं पंचायतीराज संस्थाओं के चुनावों में कांग्रेस को व्यापक जनसमर्थन प्राप्त हुआ है, जिससे प्रदेश में पार्टी की मजबूत राजनीतिक स्थिति एक बार फिर साबित हुई है। उन्होंने कहा कि 54 शहरी निकायों में से 32 निकायों में कांग्रेस समर्थित प्रतिनिधियों की जीत इस बात का प्रमाण है कि जनता कांग्रेस सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों, पारदर्शी प्रशासन और विकासोन्मुखी सोच पर भरोसा जता रही है।

विनय कुमार ने कहा कि पंचायतीराज संस्थाओं के चुनावों में भी कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों ने सफलता हासिल की है। प्रदेशभर में बड़ी संख्या में प्रधान, उपप्रधान, बीडीसी सदस्य और जिला परिषद प्रतिनिधि कांग्रेस विचारधारा से जुड़े उम्मीदवारों के रूप में विजयी हुए हैं।

उन्होंने कहा कि नगर निगम चुनावों के परिणामों का संगठनात्मक स्तर पर गंभीरता से विश्लेषण किया जाएगा और चुनाव पर्यवेक्षकों, जिला कांग्रेस अध्यक्षों तथा ब्लॉक अध्यक्षों से विस्तृत रिपोर्ट मांगी जाएगी। उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में प्रदेश कांग्रेस पदाधिकारियों, जिला एवं ब्लॉक अध्यक्षों की बैठक बुलाकर संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने की रणनीति पर चर्चा की जाएगी। पार्टी में समर्पित और जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं को आगे लाने तथा उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देने की प्रक्रिया को तेज किया जाएगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने पालमपुर नगर निगम में पार्टी के प्रदर्शन के लिए जनता का आभार व्यक्त करते हुए विधायक आशीष बुटेल को बधाई दी। साथ ही सोलन, कांगड़ा और मंडी के मतदाताओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि कांग्रेस को मिला प्रत्येक वोट जनता के विश्वास का प्रतीक है।

तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रही भाजपा

भाजपा की ओर से नगर निगम चुनाव परिणामों को प्रदेश सरकार के खिलाफ जनादेश बताए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए विनय कुमार ने कहा कि भाजपा तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रही है। उन्होंने कहा कि केवल तीन नगर निगमों के परिणामों को पूरे प्रदेश का जनादेश बताना राजनीतिक अपरिपक्वता का परिचायक है। स्थानीय निकाय और पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव स्थानीय विकास, जनसेवा और क्षेत्रीय नेतृत्व के मुद्दों पर लड़े जाते हैं, इसलिए इन्हें प्रदेश सरकार के पक्ष या विपक्ष में जनादेश के रूप में नहीं देखा जा सकता। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश की जनता विकास, सुशासन और जनहित की राजनीति के साथ खड़ी है और कांग्रेस को निरंतर समर्थन दे रही है।

पंजाब के झटके के बाद हिमाचल में बीजेपी को मिली राहत

कांग्रेस ने दी कड़ी टक्कर आगे राह कठिन

स्थानीय निकाय चुनाव में कांग्रेस को दे गया नसीहत

» विस चुनाव से पहले अपने को आंकने की योजना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पंजाब के स्थानीय निकाय चुनाव में आप के बाद कांग्रेस ने दूसरा स्थान प्राप्त करके भाजपा के पेशानी पर बल ला दिया है। अब पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव में भी कांग्रेस जीत के साथ बीजेपी को डराने की योजना बना चुकी थी। 30 मई राज्य में तीसरा और अंतिम चरण मतदान हो गया। कुल मिलाकर भाजपा व कांग्रेस के बीच बड़ा मुकाबला रहा।

हालांकि 31 को आए परिणाम में यहां के चुनाव में भाजपा आगे निकली है। भाजपा कई जिलों में जीती जबकि कांग्रेस को दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा है। दसरे चरण में प्रदेश की 1,189 ग्राम पंचायतों में प्रधान, उपप्रधान, वार्ड सदस्य, पंचायत समिति और जिला परिषद सदस्यों के लिए वोट डाले गए। चुनाव को लेकर प्रशासन और राज्य निर्वाचन आयोग ने सभी जरूरी तैयारियां पहले ही पूरी कर ली थी। राज्य निर्वाचन आयोग के मुताबिक अंतिम चरण में करीब 17 लाख ने मतदान किया। इसके लिए प्रदेशभर में हजारों मतदान केंद्र बनाए गए। सुबह से ही कई इलाकों में मतदाताओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं। ग्रामीणें में लोगों में चुनाव को लेकर खासा उत्साह नजर आ रहा है। इस चरण में भी मतदान प्रतिशत अच्छा रहा।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे

चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। संवेदनशील और अति संवेदनशील मतदान केंद्रों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। मतदान केंद्रों के आसपास निगरानी बढ़ाई गई है और अधिकारियों को लगातार स्थिति पर नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन का कहना है कि किसी भी तरह की गड़बड़ी या कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

पहले दो चरणों में दिखा था भारी उत्साह

पंचायत चुनाव के पहले और दूसरे चरण में मतदाताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था। कई क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत 75 फीसदी से भी अधिक दर्ज किया गया था। इसी को देखते हुए प्रशासन और निर्वाचन आयोग को उम्मीद थी कि अंतिम चरण में भी बड़ी संख्या में लोग मतदान केंद्रों तक पहुंचेंगे और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी भागीदारी निभाएंगे। तीसरे और अंतिम चरण के मतदान के साथ ही हिमाचल प्रदेश में पंचायतीराज चुनावों की प्रक्रिया लगभग पूरी हो गई थी। अब राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को नतीजों के बाद अपने को आंकना पड़ेगा।

6,615 वार्डों में हुआ मतदान

इस चरण में कुल 6,615 वार्डों में मतदान कराया गया मतदाता अपने गांव के प्रधान, उपप्रधान और वार्ड सदस्यों का चुनाव करने के साथ-साथ पंचायत समिति और जिला परिषद के प्रतिनिधियों को भी चुन गए। पंचायत चुनावों को ग्रामीण विकास और स्थानीय प्रशासन की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण माना जाता है, इसलिए उम्मीदवारों और मतदाताओं दोनों में उत्साह देखने को मिल रहा है। मतदान समाप्त होने के बाद पंचायत स्तर के पदों के लिए मतगणना शुरू कर दी जाएगी। हालांकि पंचायत समिति और जिला परिषद के लिए डाले गए मतों की गिनती 31 मई को की गई। इसी दिन 17 मई को हुए चार नगर निगम चुनावों के वोटों की भी गिनती हुई।

परिणाम बता रहे प्रदेश में कांग्रेस और भाजपा के दावों में कितना दम

जिला परिषद, ब्लॉक समिति और चार नगर निगमों के परिणामों ने यह तय किया कि प्रदेश में कांग्रेस और भाजपा के दावों में कितना दम है, चुनाव परिणाम आने के बाद ग्रामीण और शहरी राजनीति की तस्वीर काफी हद तक साफ हो गई। पढ़े लिखों ने इस बार खूब डाले है।

केरल में वंदे मातरम को लेकर घमासान

राज्यपाल व सीएम के बीच खिंची तलवारें

» भाजपा ने कांग्रेस सरकार को घेरा

» सीपीआई भी कांग्रेस के साथ खड़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तिरुवंनतपुरम। केरल में वंदे मातरम को लेकर घमासान थम नहीं रहा है। केरल के राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर ने विधानसभा में वंदे मातरम के आंशिक पाठ पर नाराजगी व्यक्त की, इसे प्रोटोकॉल का उल्लंघन बताया, जबकि मुख्यमंत्री वी डी सतीशान ने कहा कि इसका पूर्ण पाठ अनिवार्य नहीं है और इस संबंध में कोई कानूनी प्रावधान नहीं है।

इस घटना ने संवैधानिक प्रोटोकॉल, राष्ट्रीय प्रतीकों के उपयोग और राज्य की राजनीतिक खींचतान पर एक नई बहस छेड़ दी है, जिसमें बीजेपी ने इसे राज्यपाल का अपमान बताया और विपक्ष ने इसे आरएसएस का एजेंडा करार दिया। यह विवाद राजनीतिक दलों के बीच वैचारिक भिन्नताओं और प्रोटोकॉल की व्याख्या को लेकर चल रहे टकराव को उजागर करता है। केरल के राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर ने अपने नीतिगत भाषण से पहले राज्य विधानसभा में वंदे मातरम का पूर्ण गायन न होने पर नाराजगी व्यक्त की, जबकि मुख्यमंत्री वी डी सतीशान ने कहा कि राष्ट्रगान का पूर्ण पाठ अनिवार्य नहीं है। केरल विधानसभा में राज्यपाल द्वारा यूडीएफ सरकार के नीतिगत भाषण को पढ़ने से पहले और बाद में केरल पुलिस बैंड ने वंदे मातरम के केवल पहले दो छंद बजाए, जबकि लोकसभा ने निर्देश दिया था कि राज्यपाल की उपस्थिति में वंदे मातरम पूर्ण रूप से गाया जाए।

प्रोटोकॉल का पालन किया जाना चाहिए

राजेंद्र अर्लेकर ने दावा किया कि राज्यपाल के ऐसे कार्यक्रमों में शामिल होने पर उचित प्रोटोकॉल का पालन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैंने विधानसभा अध्यक्ष से बात की है। देखते हैं आगे क्या होता है। मुख्यमंत्री सतीशन ने कहा कि ऐसा कोई कानूनी प्रावधान नहीं है जो वंदे मातरम को पूर्ण रूप से गाने को अनिवार्य बनाता हो। उन्होंने कहा कि संसद ने इस संबंध में कोई कानून नहीं बनाया है। अगर राज्यपाल को कोई शिकायत है, तो मैं उनसे इस बारे में बात करूंगा।

आरएसएस का एजेंडा : विजयन

विधानसभा में विपक्ष के नेता पिनाराची विजयन ने भी राज्य सरकार के राष्ट्रगान को पूरी तरह से न बजाने या न गाने के फैसले का समर्थन करते हुए इसे आरएसएस का एजेंडा बताया।

लोकभवन और राज्यपाल का अपमान : मुरलीधरन

भाजपा विधायक वी मुरलीधरन ने इस कदम को लोकभवन और राज्यपाल का अपमान बताया और यूडीएफ सरकार पर सीपीआई (एम) और जमात-ए-इस्लामी जैसी पार्टियों के दबाव में झुकने का आरोप लगाया।

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

परीक्षा प्रणाली की ओवरहालिंग अब समय की मांग

"अब तो ऐस लगता है कि पढ़ाई केवल डिग्री और नौकरी प्राप्त करने का माध्यम रह गया है। प्रश्न यह है कि क्या शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा में उत्तीर्ण होना रह गया है? अधिकांश मामलों में आत्महत्या के पीछे परिवार की उच्च महत्वाकांक्षा, छात्र की अरुचि या प्रतिस्पर्धा का दबाव पाया जाता है।"

जहां परीक्षा लीक व रद्द होने से छात्र तनाव में है। उसी तरह विभिन्न बोर्डों में परीक्षा फल में नबंर कम होने पर कई छात्र अभ्यर्थी आत्म हत्या तक कर लेते हैं। उधर सीबीएई में कापियों के ठीक से मूल्यांकन न होने का मुद्दा छाया है। अब तो ऐस लगता है कि पढ़ाई केवल डिग्री और नौकरी प्राप्त करने का माध्यम रह गया है। प्रश्न यह है कि क्या शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा में उत्तीर्ण होना रह गया है? अधिकांश मामलों में आत्महत्या के पीछे परिवार की उच्च महत्तवाकांक्षा, छात्र की अरुचि या प्रतिस्पर्धा का दबाव पाया जाता है। किंतु यह विश्लेषण एकांगी है, क्योंकि इसके लिए शिक्षा प्रणाली, प्रशासन, राजनीति और समाज सभी कहीं न कहीं जिम्मेदार हैं। सीबीएसई द्वारा मूल्यांकन में अनियमितताएं, परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र लीक होना, शिक्षकों पर दबाव डालकर प्रश्नपत्र प्राप्त करने की कोशिश, विश्वविद्यालयों में पीएच.डी. कोर्सवर्क का केवल कागजी संचालन, शोध कार्यों में साहित्यिक चोरी जैसी घटनाएं शिक्षा के बाजारवाद को दर्शाती हैं।

इस पूरे तंत्र में राजनीति, प्रशासन, शिक्षक, विद्यार्थी और निजी शैक्षणिक संस्थानों का गठजोड़ सक्रिय दिखाई देता है। शिक्षा को केवल डिग्री और नौकरी प्राप्त करने का माध्यम बना दिया गया है, जिससे शिक्षा प्रणाली में गंभीर विसंगतियां उत्पन्न हो रही हैं। हर 36 मिनट में एक विद्यार्थी कर रहा आत्महत्या। इतना ही नहीं, पिछले दो दशकों में भारत के प्रमुख इंजीनियरिंग कॉलेजों में कम से कम 160 छात्रों की मृत्यु दर्ज की गई है, जिनमें से 69 मौतें पिछले पांच वर्षों में हुई हैं। विशेषज्ञों के अनुसार आइआइटी जैसे संस्थानों में जातिगत भेदभाव अभी भी मौजूद है और आत्महत्या के कई मामलों में हाशिए पर रहने वाले समुदायों के छात्र शामिल हैं। राष्ट्रीय अपराध रेकॉर्ड ब्यूरो की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार भारत में हर दिन दर्जनों छात्र आत्महत्या कर रहे हैं। वर्ष 24 में 14,488 छात्रों ने आत्महत्या की, जो वर्ष 23 की तुलना में 596 अधिक है। औसतन हर 36 मिनट में एक विद्यार्थी अपना जीवन समाप्त कर लेता है। शिक्षा उन विचारों एवं क्रियाओं का समुच्चय है, जिन्हें एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को इसलिए हस्तांतरित किया जाता है कि व्यक्ति समाज की भूमिकाओं को समझ सके, समाज का सक्रिय सदस्य बन सके तथा उसमें आवश्यक सुधार कर सके। इस दृष्टि से शिक्षा व्यक्ति और समाज के बीच सामंजस्य स्थापित करती है। लेकिन यह भी सत्य है कि वर्तमान दौर में अकादमिक स्वायत्तता एक मिथक बनती जा रही है ।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

ग्रेट निकोबार परियोजना से बढ़ी चीन की बेचैनी

पुष्परंजन

पेइचिंग के हाईतियन जिले में रनमिन यूनिवर्सिटी शोध के लिए प्रसिद्ध है। यहां चीनी विदेश रणनीति अध्ययन केंद्र के निदेशक जिन कैनरोंग ने अपने निजी वी-चैट अकाउंट पर प्रकाशित एक हालिया टिप्पणी में तर्क दिया, कि चीन की लंबे समय से चली आ रही 'मलाक्का दुविधा' अब और भी गंभीर होती जा रही है। चीन को डर है, कि मलाक्का जलडमरूमध्य पर उसकी भारी निर्भरता उसकी रणनीतिक कमजोरी बन सकती है। न्यूज एजेंसी रायटर्स ने अप्रैल में रिपोर्ट दी थी कि चीन के कच्चे तेल के आयात का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा मलाक्का जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है, जबकि यह जलडमरूमध्य वैश्विक व्यापार का लगभग 22 फीसद और समुद्री तेल का 29 प्रतिशत हिस्सा संभालता है।

जिन कैनरोंग ने लिखा कि पहले चीन की चिंताएं मुख्य रूप से अमेरिका पर केंद्रित थीं, जिसकी वैश्विक नौसैनिक पहुंच में हिंद महासागर में दिएगो गार्सिया और सिंगापुर में चांगी नौसैनिक अड्डे जैसे ठिकाने शामिल हैं। उन्होंने कहा, लेकिन अब, भारत की भूमिका बढ़ रही है। यदि भारत ग्रेट निकोबार पर अपनी उपस्थिति मजबूत करता है, तो इससे भारत को चीन की अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण एक संकरे समुद्री मार्ग (चोकप्वाइंट) पर अधिक प्रभाव डालने की शक्ति मिल सकती है। भारत सरकार द्वारा ग्रेट निकोबार द्वीप पर लगभग 10 अरब डॉलर यानी लगभग 1 लाख करोड़ रुपये की लागत से 'ग्रेट निकोबार विकास परियोजना' पर काम किया जा रहा है। इस रणनीतिक पहल का मुख्य उद्देश्य भारत के सबसे दक्षिणी छोर को एक विशाल वाणिज्यिक और सैन्य केंद्र में बदलना है। इस महात्वाकांक्षी परियोजना का लक्ष्य गलाथिया खाड़ी में एक बड़ा ट्रांसशिपमेंट बंदरगाह (पोर्ट, अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, एक नई टाउनशिप और 450 मेगावाट का गैस और सौर ऊर्जा संयंत्र शामिल है। रणनीतिक रूप से मलक्का जलडमरूमध्य के पास स्थित यह केंद्र हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती गतिविधियों (जैसे 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स') का मुकाबला करने में भारत की नौसैनिक क्षमता को बढ़ावा देगा।

इस पोर्ट के जरिए भारत अपने ट्रांस-शिपमेंट कार्गो के लिए सिंगापुर और कोलंबो जैसे विदेशी बंदरगाहों पर अपनी निर्भरता कम कर सकेगा। पूर्ण क्षमता पर, इस बंदरगाह से सालाना 1.6 करोड़ ट्वेंटी-फुट इक्विवेलेंट यूनिट्स (टीईयूएस) का संचालन होने का अनुमान है। भारत सरकार द्वारा 2021 में शुरू की गई यह योजना तेजी से विकास की ओर बढ़ रही है। सबसे बड़ी दिक्कत वर्षा वनों के बड़े पैमाने पर कटने की आशंका को लेकर पर्यावरणविदों और मानवाधिकार समूहों की चिंता है। प्रोफेसर जिन कैनरोंग ने चीन को तीन सुझाव दिए हैं-पहला, चीन को एक अधिक शक्तिशाली 'ब्लू-वॉटर नेवी' (गहरे समुद्र में काम करने वाली नौसेना) बनानी चाहिए। चीन को अपने विमानवाहक पोत बेड़े के विकास में तेजी लानी चाहिए, और चीन के सबसे नए तथा सबसे उन्नत विमानवाहक पोत 'फुचियान' को जल्द से जल्द युद्ध के लिए तैयार करना चाहिए। दूसरा, चीन को उन मार्गों पर काम में तेजी लानी चाहिए जो मलाक्का को बाईपास करते हैं। जिन ने म्यांमार के पश्चिमी तट पर स्थित चीन-समर्थित गहरे समुद्र के बंदरगाह 'क्याउकप्यू', प्रस्तावित चीन-म्यांमार रेलवे, और म्यांमार से चीन के दक्षिण-पश्चिमी युन्नान प्रांत की राजधानी कुनमिंग तक जाने वाली तेल और गैस पाइपलाइनों की ओर इशारा किया। उन्होंने थाईलैंड के प्रस्तावित 'क्रा लैंड ब्रिज' का भी जिक्र किया-जो सड़क और रेल मार्ग के जरिए थाईलैंड की खाड़ी और अंडमान सागर को जोड़ने की एक योजना है और इसे इस जलडमरूमध्य पर चीन की निर्भरता कम करने का एक और तरीका बताया। तीसरा, चीन को ताइवान मुद्दे का समाधान करना चाहिए। जिन ने तर्क दिया कि यदि पेइचिंग, ताइवान के प्रश्न को सुलझा लेता है, तो उसे पूर्वी चीन सागर और दक्षिण चीन सागर में अपनी गतिविधियों के लिए अधिक गुंजाइश मिल जाएगी। वहां से, चीन मलक्का के पास अपने हितों की रक्षा करने की बेहतर स्थिति में होगा। भले ही चीन और भारत सीमा पर वर्षों के तनाव के बाद अपने संबंधों को सावधानीपूर्वक स्थिर करते दिख रहे हैं, रणनीतिक अविश्वास अब भी कितना गहरा है।

ग्रेट निकोबार परियोजना से यह भी पता चलता है कि भारत को लेकर चीन की चिंताएं अब केवल जमीनी सीमा तक ही सीमित नहीं हैं। भारत को अब तेजी से एक समुद्री प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखा जा रहा है, जो हिंद महासागर और दक्षिण-पूर्व एशियाई समुद्री मार्गों तक चीन की पहुंच को प्रभावित कर सकता है, और भारत संभवतः पेइचिंग की सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक जीवन-रेखाओं में से एक के पास अपना प्रभाव बढ़ा सकता है। निकोबार द्वीप, मलक्का जलडमरूमध्य के पश्चिमी प्रवेश द्वार से लगभग 150 किलोमीटर (90 नॉटिकल माइल) उत्तर-पश्चिम में स्थित है।

उजाले अपनी यादों के हमारे पास रहने दो...

डॉ. चंदर त्रिखा

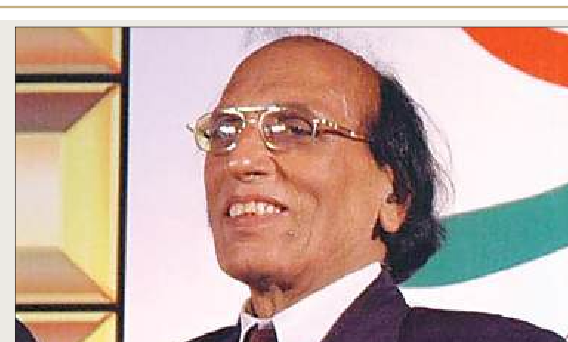

हमारे इस कालखंड में जिन बड़े शायरों के कलाम एवं गजलें, मुहावरों की तरह आम आदमी व 'इलीट-क्लास' की जुबान पर अक्सर सवार रहते हैं, उनमें बशीर बद्र का नाम पहली पंक्ति में बना रहेगा। वह एक करीबी दोस्त थे, इसलिए निजी सरमाया भी थे, मगर इसके इलावा इनसे अदबी रिश्ता भी था। कालजयी शायरी क्या होती है, इसकी कोई मिसाल देखनी हो तो बशीर की शायरी से गुजर कर देखिए। हर कदम पर उनके 'शेअर' आपका रास्ता रोक लेंगे और मजबूर कर देंगे कि 'वाह? क्या बात है' कहे बिना आगे नहीं जाएंगे। बशीर की सबसे बड़ी खूबी यह रही है कि अपनी अनूठी शैली, बानगी व मौलिक प्रस्तुति के साथ उसने सामयिक मुद्दों को भी बेहद नजाकत के साथ उठाया है। नगरीय एवं कस्बई हिंसा पर उनका यह तंज अब भी जिक्र में बना हुआ है—'लोग टूट जाते हैं, एक घर बनाने में/तुम रहम नहीं खाते, बस्तियां जलाने में।'

'जिंदगी की शाम' वाला उनका शेर विदायगी के हर मौके पर गूंजता है—'उजाले अपनी यादों के/हमारे पास रहने दो/न जाने किस गली में जिंदगी की शाम हो जाए।' जिन दो शायरों का प्रयोग कमोबेश हर राजनीतिज्ञ ने भी किया है, उनमें दुष्यंत के इलावा दूसरा नाम बशीर बद्र का है। 91 की उम्र में वह चले गए। सुना था 'डिमेंशिया' सरीखी बीमारियों से पीड़ित लोग लम्बी उम्र तक बने रहते हैं। इन दिनों वह 'हल्का-हल्का' बहाल भी होने लगे थे, मगर उस तरह चलने की मशक्कत करने ही लगे थे कि बीच सफर में ही लौट गए। इस बार का लौटना अंतिम था और आज वे शारीरिक तौर पर हमारे बीच नहीं हैं। उर्दू का महान शायर बशीर बद्र इन दिनों अस्वस्थ चल रहा है। मेरे जेहन में वे पुराने दिन उदास बदलों की तरह जिंदगी की उमस से जूझने लगते हैं, जब एक प्यारे अजीज दोस्त के रूप में वह पुश्तैनी शहर अबोहर आए थे। हम दो दिन उस शहर में एक नहर के किनारे घूमते रहे थे। मैं, मेरे दोस्त एवं उर्दू अदीब मोहनलाल, वहां के बोहिमियन्ज क्लब के सूत्रधार प्रो. सत्य प्रकाश, युवा पत्रकार साथी राजसदोष और साथ में बशीर बद्र।

हम लोगों ने तय किया कि बशीर के कलाम से हिंदी में उर्दू शायरी को जज्ब करने वाली नई पीढ़ी को रूबरू कराया जाए। मोहन लाल उर्दू व पंजाबी के कहानीकार एवं उपन्यासकार थे। उनके मशविरे व पहलकदमी से शब्दलोक प्रकाशन का 'बैनर' बुना गया जिसके तले उर्दू शायरी के दो 'मजमूओं' (संकलनों) के हिंदी में प्रकाशन की योजना बनी थी। बशीर बद्र ने अपने मजमूए का नाम 'तुम्हारे लिए' तय किया, जबकि दूसरे शायर प्रो. आजाद गुलाटी ने 'नई गजलें' की पांडुलिपि सौंप दी। ये किस्सा करीब 45 बरस पुराना है। तब 1100 प्रतियां छापना जोखिम भरा प्रयास था। मगर सभी प्रतियां 6 माह में खप गईं। खरीददार कमोबेश सभी युवा चेहरे थे। उन्हीं दिनों पत्रकार व अदीब निरुपमा दत्त ने इंडियन एक्सप्रेस में इस कृति पर एक समीक्षात्मक लेख लिखा था, 'जैसे ही आधुनिक उर्दू गजल की बात चलती है तो एकदम जेहन में बशीर बद्र का ख्याल आता है। बशीर बद्र एक ऐसे शायर हैं जिन्होंने गजल की नफासत और नजाकत को समझते हुए नए-नए प्रयोग किए हैं। वे इस विधा को बदलते हुए युग के साथ जोड़ने में बखूबी सफल रहे हैं। अपनी लचीली आवाज में जब वह मंच पर 'शेर' पेश करते हैं तो हर बार मुशायरा लूट ले जाते हैं।

मुझे याद है अम्बाला व गुरुग्राम के वे मुशायरे जिनमें ज्यादातर शायर यही आग्रह करते थे कि उन्हें बशीर से पहले पढ़ा दिया जाए क्योंकि एक बार बशीर शुरू हुए तो फिर श्रोता उन्हीं के नाम को आगे बढ़ाते रहने की जिद्द करेंगे। इसी वर्ष 17 फरवरी को मध्यप्रदेश के राज्यपाल लाल जी टंडन जो कि बशीर साहब के प्रशंसक भी रहे थे, उनके 85वें जन्म दिन पर उनके आवास पर गए और उन्हें एक भव्य गुलदस्ता व शॉल आदि उपहार सौंपे। बशीर साहब की बेगम राहत बद्र ने अर्द्धचेतनावस्था में बिस्तर में ही बशीर साहब को लखनऊ से लाल जी टंडन के मुबारिकबाद देने को आने की बात बताई। बशीर बद्र किसी खेमे का नाम नहीं! बशीर बद्र किसी एक वैचारिक प्रतिबद्धता का नाम नहीं! बशीर बद्र गालिब-मीर का, मोमिन का लकीरी वारिस नहीं- लेकिन इन सब बातों के बावजूद उसके प्रशंसक, उन्माद की हद तक उसके ही हैं। बशीर बद्र की सबसे बड़ी विशेषता उसकी विविधता है। बशीर ने जहां महानगरीय सभ्यता की विद्रूपता पर गहरी मार की है, वहां उसने कस्बई संस्कृति की संवेदना का मुखर रूप देने में भी उतनी ही सफलता प्राप्त की है।

उसकी कलम एक तरफ सावधान करती है कि—कोई हाथ भी न मिलाएगा जो गले मिलोगे तपाक से/ये नए मिजाज का शहर है जरा फासले से मिला करो। वहीं इस बात पर संतोष भी व्यक्त करती है कि-कदीम कस्बों में कैसा सकून होता है/थके थकाए हमारे बुजुर्ग सोते हैं। शैली की ताजगी, नए मुहावरे का प्रयोग व पुराने मुहावरों को नये अर्थ देना बशीर की एक और विशिष्टता है। बशीर ने गजल को सामंती महिफलों से उठाकर केवल कॉफी-हाउसों तक ही नहीं पहुंचाया बल्कि सामान्य अदबी इन्सानों के जहनों में भी बैठाया है। अक्सर गजलों में मतला कमजोर पड़ जाता है। लेकिन बशीर बद्र की लगभग सभी गजलों का मतला अनुभूति की तीव्रता लिए हुए है। जैसे-'होंटों पे मुहब्बत के फसाने नहीं आते/साहिल पे समन्दर के खजाने नहीं आते।' विषयों की विविधता, सही शब्दों का चयन, हर शेर में एक पूरा अफसाना कह डालने की तीव्र ईमानदारी और संवेदना के धरातल पर इन्सान के हर लम्हे के साथ जुड़ पाने की क्षमता भी उनकी शायरी में है। जदीद गजल को जो खूबसूरत पहरावा बशीर बद्र ने दिया है, वह शायद ही अब तक किसी दूसरे शायर ने दिया हो। यदि अतिशयोक्ति न समझा जाए तो गजल के इस युग को बड़ी आसानी व दलील के साथ बशीर बद्र-युग कहा जा सकता है।

आंखों के लिए ये योगासन हैं फायदेमंद

आज के डिजिटल दौर में मोबाइल, लैपटॉप और स्क्रीन टाइम बढ़ने के कारण आंखों की समस्याएं आम हो गई हैं। कम उम्र में ही चश्मा लगना अब कोई नई बात नहीं रह गई है। ऐसे में लोगों के मन में अक्सर सवाल उठता है कि क्या योग करने से आंखों का चश्मा हट सकता है। योग को सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है और आंखों की एक्सरसाइज व प्राणायाम को लेकर कई दावे किए जाते हैं। सोशल मीडिया और इंटरनेट पर यह भी कहा जाता है कि नियमित योग अभ्यास से नजर तेज हो सकती है और चश्मे की जरूरत खत्म हो सकती है। लेकिन आंखों की रोशनी कम होने के पीछे कई मेडिकल कारण होते हैं, जिन्हें समझना जरूरी है। हमारी आंखों की मांसपेशियां लगातार फोकस बदलने, स्क्रीन देखने और प्रकाश के संपर्क में आने के कारण थक जाती हैं। ऐसे में योग अभ्यास इन मांसपेशियों को मजबूत और लचीला बनाए रखने में सहायक होते हैं। सबसे पहले तो ये जान लें कि सही योग आंखों की मांसपेशियों को रिलैक्स करने, तनाव कम करने और आंखों की थकान दूर करने में बहुत मददगार होता है।

पाल्मिंग

पाल्मिंग तकनीक से आंखों को तुरंत राहत पहुंचाता है और आंखों में जलन, थकान या सूखापन कम करता है। निकट दृष्टि दोष, दूर दृष्टि दोष या एस्टिग्मेटिज्म जैसी एरर के लिए योग अकेले पर्याप्त नहीं है। ये शारीरिक कारणों से होने वाली दृष्टि समस्याएं हैं, जिन्हें केवल नियमित नेत्र जांच, सही चश्मा या लेजर सर्जरी के जरिए ही नियंत्रित किया जा सकता है। आई पामिंग एक आसान तकनीक है जिसमें आप अपनी हथेलियों को रगड़कर उन्हें गर्म करते हैं और फिर हल्के से बंद करके आंखों पर रखते हैं। इससे आंखों की मांसपेशियों को तुरंत आराम मिलता है और आप एनर्जेटिक महसूस करते हैं। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन का एक अध्ययन दर्शाता है कि आई पामिंग तकनीक को अपनाने से विजुअल रिएक्शन टाइममें सुधार लाया जा सकता है।

अनुलोम-विलोम

अनुलोम-विलोम और कपालभाति प्राणायाम रक्त संचार को बढ़ाते हैं। जिसके चलते आंखों के आसपास के छोटे रक्त वाहिकाओं में ब्लड फ्लो बढ़ने से आंखों की थकान कम होती है। इनकी मदद से ऑक्सीजन और न्यूट्रिएंट्स बेहतर तरीके से पहुंचते हैं। यदि इन योग को अपनी दिनचर्या में शामिल किया जाए, तो यह आंखों के लिए लंबी अवधि में बहुत लाभकारी हो सकता है। ये दोनों योगासन न केवल आंखों को रिलैक्स करता है, बल्कि मानसिक तनाव कम कर आंखों और दिमाग दोनों को फायदा पहुंचाता है। बस ये समझ लें कि इसकी मदद से आप अपनी आंखों पर लगे चश्मे को नहीं हटा सकते लेकिन आप अपनी आंखों की समस्या को कम कर सकते हैं।

त्राटक

इस तकनीक से आंखों की फोकसिंग क्षमता बढ़ाता है और नेत्र मांसपेशियों की मजबूती के साथ-साथ मानसिक शांति भी देता है। योग आंखों की हेल्थ को सपोर्ट करता है, आंखों की थकान और स्ट्रेन कम करता है, लेकिन यह चश्मे का विकल्प नहीं बन सकता। इसलिए आंखों की रोशनी में कमी महसूस होने पर डॉक्टर की सलाह लेना और समय-समय पर आंखों की जांच कराना अत्यंत जरूरी है। त्राटक योग करने के लिए सबसे पहले आप किसी कमरे में एक योगा मैट बिछा लें। अपना सिर, अपनी गर्दन और पीठ को एकदम सीधा रखें। ध्यान मुद्रा में बैठकर, आंखें बंद कर लें। जिस वस्तु पर आपको ध्यान केंद्रित करना है, उसे अपनी आंखों के एकदम समानांतर रखें। इसके बाद धीरे-धारे अपनी आंखें खोलें और वस्तु पर ध्यान केंद्रित करें। इसे तब तक देखते रहें, जब तक आपकी आंखों से पानी नहीं निकल जाएगा।

हंसना मना है

पत्नी- फोन पे इतनी धीमी आवाज में किस से बात कर रहे हो? पति - बहन से। पत्नी- तो फिर इतनी धीमी आवाज में किसलिए? पति - तेरी है, इसलिए।

पत्नी- शादी के दस साल हो गए और एक आप हैं, जो आज तक कहीं घूमने तक नहीं ले गए। पति- ठीक है आज घूमने चलेंगे। शाम को पति, पत्नी को लेकर श्मशान घाट ले गया! पत्नी गुस्से से बोली- छी श्मशान भी कोई घूमने की जगह होती है? पति- अरे पगली लोग मरते हैं यहां आने के लिए।

बेटा- पापा आप शराब मत पिया करो। पापा- पिने दे बेटा, साथ क्या लेकर जाना है? बेटा- आप इसी तरह पीते रहे तो छोड़कर भी क्या जाओगे?

कोई गम नहीं मगर दिल उदास है, तुझसे कोई रिश्ता नहीं फिर भी एहसास है, कहने को बहुत अपने है मगर तू एक खास है, ज्यादा इमोशनल ना होना ऊपर सब बकवास है।

अंग्रेज सिपाही से- इस आदमी का कान काट दो। चोर- नहीं मेरा कान मत काटो, नही तो मैं अंधा हो जाऊंगा। अंग्रेज- बेवकूफ कोई कान काटने से अंधा होता है। चोर- अरे बेवकूफ कान काट देगा तो चश्मा क्या तेरे बाप के कान पर लगाऊंगा।

कहानी | मुट्ठी भर सफल लोग

गर्मी की छुट्टियों में हरिराम अपने दोस्तों के साथ ऋषिकेश पहुंचा। गाइड उन्हें एक फेमस माउंटेनियरिंग स्पॉट पर ले गया। किसी ने सोचा नहीं था कि यहां इतनी भीड़ होगी, हर तरफ लोग ही लोग नजर आ रहे थे। एक दोस्त बोला- यार यहां तो शहर जैसी भीड़ है, यहां चढ़ाई करने में क्या मजा? हरिराम बोला- क्या कर सकते हैं, चलो इसी का मजा उठाते हैं। सभी दोस्त पहाड़ी की चोटी पर पहुंच गए। वहां पर पहले से ही लोगों का तांता लगा हुआ था। चलो अब इसी भीड़ में दो-चार घंटे कैम्पिंग करते हैं और फिर वापस चलते हैं। तभी हरिराम ने एक चोटी की तरफ इशारा करते हुए कहा - ज़रा उस तरफ भी तो देखो, वहां तो बस मुट्ठी भर लोग ही दिख रहे हैं, कितना मजा आ रहा होगा, क्यों न हम वहां चलें। एक दोस्त बोला- अरे वहां जाना सबके बस की बात नहीं है, उस पहाड़ी के बारे में मैंने सुना है, वहां का रास्ता बड़ा मुश्किल है और कुछ लकी लोग ही वहां तक पहुंच पाते हैं। बगल में खड़े कुछ लोगों ने भी मजाक उड़ाते हुए कहा - भाई अगर वहां जाना इतना ही आसान होता तो हम सब यहां झक नहीं मार रहे होते! लेकिन हरिराम ने किसी की बात नहीं सुनी और अकेला ही चोटी की तरफ बढ़ चला और तीन घंटे बाद वह उस पहाड़ी के शिखर पर था। वहां पहुंचने पर पहले से मौजूद लोगों ने उसका स्वागत किया और उसे प्रोत्साहित किया। हरिराम भी वहां पहुंच कर बहुत खुश था अब वह शांति से प्रकृति की खूबसूरती का आनंद ले सकता था। जाते-जाते हरिराम ने बाकी लोगों से पूछा - एक बात बताइये? यहां पहुंचना इतना मुश्किल तो नहीं था, मेरे विचार से तो जो उस भीड़-भाड़ वाली चोटी तक पहुंच सकता है वह अगर थोड़ी सी और मेहनत करे तो इस चोटी को भी छू सकता है, फिर ऐसा क्यों है कि वहां सैकड़ों लोगों की भीड़ है और यहां बस मुट्ठी भर लोग? वहां मौजूद एक शिक्षक नवनीत बोला- क्योंकि ज्यादातर लोग बस उसी में खुश हो जाते हैं जो उन्हें आसानी से मिल जाता है। वे सोचते ही नहीं कि उनके अन्दर इससे कहीं ज्यादा पाने का इरादा है, और जो थोड़ा पाकर खुश नहीं भी होते वे कुछ अधिक पाने के लिए खतरा नहीं उठाना चाहते। वे डरते हैं कि कहीं ज्यादा के चक्कर में जो हाथ में है वो भी ना चला जाए, जबकि हकीकत ये है कि अगली चोटी या अगली मंजिल पाने के लिए बस जरा सी कोशिश की जरुरत पड़ती है! पर साहस ना दिखा पाने के कारण अधिकतर लोग पूरी लाइफ बस भीड़ का हिस्सा ही बन कर रह जाते हैं, और साहस दिखाने वाली उन मुट्ठी भर लोगों को लकी बता कर खुद को तसल्ली देते रहते हैं।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष धन प्राप्ति में अवरोध दूर होंगे। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। अज्ञात भय सताएगा। कुसंगति से बचें। चिंता रहेगी।

वृषभ आर्थिक उन्नति होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। शुभ समय। शत्रु भय रहेगा।

मिथुन नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक है। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। विवाद को बढ़ावा न दें। प्रमाद से बचें।

कर्क आवश्यक निर्णय सोच-समझकर करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान हो सकती है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। आय में निश्चितता रहेगी।

सिंह कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। निवेश लाभदायक रहेगा। घर में सुख-शांति रहेगी।

कन्या दूर से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय बढ़ेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा।

तुला अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। सुख के साधन जुटेंगे। शत्रु परास्त होंगे।

वृश्चिक दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। आय में निश्चितता रहेगी। राजभय रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। लेन-देन में जल्दबाजी हानि देगी। शारीरिक कष्ट संभव है।

धनु लाभ के अवसर हाथ आएंगे। अधिकार प्राप्ति के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। दूसरों के काम में दखल न दें।

मकर व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। राज्य से प्रसन्नता रहेगी। कोई बड़ा काम हो सकता है। नई योजना बनेगी। नया उपक्रम प्रारंभ हो सकता है।

कुम्भ सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। थकान व कमजोरी महसूस हो सकती है।

मीन आय में निश्चितता रहेगी। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। सोच-समझकर निर्णय लें। पुराना रोग उभर सकता है। अनहोनी की आशंका रहेगी।

हालीवुड | रिलीज डेट

महिलाओं के लिए सबसे मुश्किल समय बच्चे के जन्म के बाद का होता है : कियारा

कियारा आडवाणी अपनी अपकमिंग फिल्म टॉक्सिक को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में वह मां बनी हैं। इस बीच उन्होंने मां बनने के बाद महिलाओं को अक्सर जिन उम्मीदों का सामना करना पड़ता है, उनके बारे में बात की है। उन्होंने इस बात पर गौर किया कि कैसे महिलाओं की प्रेग्नेंसी का जश्न मनाने से हटकर लोगों का ध्यान दूसरी चीजों पर चला जाता है। मां बनने से अपनी जिंदगी में आए बदलावों के बारे में बात करते हुए, कियारा ने बॉम्बे टाइम्स से कहा यह अनुभव हर तरह से बहुत ही अच्छा है। मुझे लगता है कि जो डायरेक्टर अब मेरे साथ काम करेंगे, उन्हें मेरा सबसे बेहतरीन रूप देखने को मिलेगा। मां बनने के इस सफर ने मेरे अंदर दुनिया के प्रति मेरी समझ में एक नया पहलू खोल दिया है। उन्होंने बताया सबसे दिलचस्प बात यह है कि जब आप प्रेग्नेंट होती हैं, तो हर कोई कहता है, अरे वाह, आप कितनी ग्लो कर रही हैं, आप कितनी खूबसूरत लग रही हैं। मगर जैसे ही आप बच्चे को जन्म देती हैं, तो बातें बदल जाती हैं। लोग कहते हैं अब तो मोटी लग रही है, थोड़ी ऐसी लग रही है, थोड़ी वैसी लग रही है। अभिनेत्री ने कहा जब आप प्रेग्नेंट होती हैं, तो लोग आपको देवी की तरह पूजते हैं, लेकिन जैसे ही आप बच्चे को जन्म देती हैं, वे उम्मीद करने लगते हैं कि आप तुरंत ही अपनी पुरानी फिटनेस और काम पर वापस लौट आएंगी। महिलाओं के लिए सबसे मुश्किल समय बच्चे के जन्म के बाद का ही होता है। यही वह समय होता है, जब उन्हें सबसे ज्यादा सहारे की जरूरत होती है। कियारा ने कहा कहा जाता है कि एक बच्चे की परवरिश के लिए पूरे गांव की जरूरत पड़ती है। इसी तरह एक मां को संभालने के लिए भी पूरे गांव की जरूरत पड़ती है। वाराणसी की शूटिंग के बीच प्रियंका चोपड़ा ने अपने लिए निकाला वक्त, स्वीमिंग पूल में आपको बता दें कि कियारा और सिद्धार्थ की शादी 2023 में हुई थी। 15 जुलाई, 2025 को उनकी बेटी साराया का जन्म हुआ था। कियारा की अपकमिंग फिल्म टॉक्सिक चार जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

15 जून को रिलीज होगा बंटवारा 1947 का टीजर

सनी देओल का नाम अपकमिंग फिल्म बटवारा 1947 (लाहौर 1947) को लेकर चर्चा में बना हुआ है। आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बनने वाली ये मूवी एक हिस्टोरिकल ड्रामा है, जिसका निर्देशन दिग्गज फिल्ममेकर राजकुमार संतोषी कर रहे हैं।

संतोषी के साथ में सनी इस फिल्म के जरिए सालों बाद वापसी करने जा रहे हैं। इस बीच बटवारा 1947 के टीजर को लेकर लेटेस्ट अपडेट सामने आ रहा है, जिसमें बताया जा रहा है कि बटवारा 1947 की पहली झलक कब देखने को मिलेगी।

सनी देओल और आमिर खान की बटवारा 1947 इस साल की सबसे बड़ी रिलीज मानी जा रही है। करीब 3 साल पहले बटवारा 1947 की घोषणा हुई थी और अब ये मूवी बहुत जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। इससे पहले बटवारा 1947 के टीजर को लेकर अहम जानकारी सामने आ रही है।

दरअसल पिंकविला की रिपोर्ट के अनुसार 15 जून 2026 को बटवारा 1947 का पहला टीजर रिलीज किया जाएगा। पहले इस मूवी का नाम लाहौर

1947 (Lahore 1947) था, जिसे अब बदलकर बटवारा 1947 कर दिया गया है। ऐसे में जो फैंस सनी देओल की इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, उनके लिए ये एक अच्छी खबर है। हालांकि, अभी मेकर्स की तरफ से इस मामले की आधिकारिक पुष्टि का एलान किया जाना बाकी है।

बात की जाए बटवारा 1947 की कास्ट की तरफ तो सनी देओल के अलावा आपको इस मूवी में प्रीति जिंटा, अली फजल और आमिर खान जैसे कई कलाकार अहम किरदार निभाते हुए नजर आएंगे। गौर करें इसकी कहानी की तरफ तो ये आजादी के दौर में भारत और पाकिस्तान के विभाजन पर आधारित होगी।

गौर करें बटवारा 1947 की रिलीज डेट की तरफ तो अभी मेकर्स की तरफ से इसकी रिलीज डेट की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। लेकिन कथितौर पर सनी देओल की ये मोस्ट अवेटेड मूवी इस साल स्वतंत्रता दिवस से अवसर पर सिनेमाघरों में रिलीज की जा सकती है, जिसकी तारीख 14 अगस्त 2026 हो सकती है।

'ऊंचा लंबा कद फॉरएवर' के रीमेक में अक्षय के साथ नजर आईं दिशा पटानी

अक्षय कुमार और दिशा पाटनी अपकमिंग फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में साथ नजर आएंगे। सोमवार को मेकर्स ने इस फिल्म से नया गाना 'ऊंचा लंबा कद फॉरएवर' रिलीज किया। यह गाना 2007 में रिलीज हुई अक्षय की ही फिल्म 'वेलकम' का रीमेक है। उस फिल्म में इस गाने को अक्षय-कटरीना पर फिल्माया गया था।

गाने में जहां अक्षय अपने पुराने अंदाज में नजर आए, वहीं उनके साथ थिरकते दिशा पाटनी बेहद हॉट दिखीं। इस गाने में अंत में अक्षय, कटरीना को याद करते हुए कहते हैं- 'वी मिस यू

कटरीना'। वहीं कई यूजर्स ने भी यही बात कहते हुए गाने को ट्रोल किया है। जहां कुछ को ये गाना पसंद आया। वहीं कई ऐसे हैं जिन्होंने इसे ओरिजिनल गाने की बर्बादी बताया।

इस ओरिजिनल को जहां आनंद राज आनंद ने कंपोज किया था वहीं इसे रीक्रिएट किया है विक्रम ने। इसमें आनंद राज आनंद की ओरिजनल आवाज के साथ रुबाई ने भी आवाज दी है। गाने का वीडियो आदिल शेख ने कोरियोग्राफ किया है। बात करें फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' की तो इसमें अक्षय और दिशा के साथ सुनील शेट्टी, जैकलीन फर्नांडीज, अरशद वारसी, परेश रावल, रवीना टंड और राजपाल यादव के अलावा कुछ 30 मुख्य कलाकार साथ काम करते नजर आएंगे। फिल्म 26 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसका निर्देशन अहमद खान ने किया है।

अजब-गजब | ये है दुनिया का सबसे गीला गांव

इस गांव में एक महीने में सूखते हैं कपड़े

भारत ने कई तरह के मौसम देखे हैं चिलचिलाती गर्मी, ठंडी हवाएं, बर्फबारी और मानसून। लेकिन एक ऐसी जगह भी है जहां साल भर मानसून का राज चलता है। हम बात कर रहे हैं मेघालय के मावसिनराम गांव की, जो दुनिया का सबसे गीला स्थान माना जाता है। यहां बारिश इतनी ज्यादा होती है कि गीले कपड़े सूखने में पूरे एक महीने का समय लग जाता है। लोग घर में गंदे कपड़ों का अंबार लगाकर रखते हैं क्योंकि उन्हें सूखने का इंतजार करना पड़ता है। मावसिनराम कोलाबाई पहाड़ी क्षेत्र में स्थित है। यहां औसतन सालाना 11,871 मिलीमीटर बारिश होती है। कुछ सालों में तो यह आंकड़ा 14000 मिलीमीटर तक भी पहुंच जाता है।

दुनिया के दूसरे सबसे गीले स्थान चेरापूंजी से भी यह गांव ज्यादा गीला है। जब बाकी भारत में गर्मी पड़ रही होती है तब यहां बादल छाए रहते हैं। सर्दियों में भी बारिश का सिलसिला जारी रहता है। यहां के लोग इस मौसम के आदी हो चुके हैं। घरों की छतें खास तरह की बनाई जाती हैं ताकि पानी तेजी से बह सके। दीवारें हमेशा नम रहती हैं। कपड़े सूखने के लिए लोग उन्हें घर के अंदर ही लटकाकर रखते हैं लेकिन नमी के कारण वे सूखते ही नहीं हैं। कई बार तो लोग गीले कपड़े पहनकर ही काम पर निकल जाते हैं। स्कूल और कॉलेज भी बारिश में बंद नहीं होते। बच्चे रेनकोट और छाते लेकर स्कूल

जाते हैं। मावसिनराम की स?कें हमेशा गीली और फिसलन भरी रहती हैं। बाहर निकलना भी चुनौतीपूर्ण होता है। फिर भी यहां का जीवन पूरी तरह चलता रहता है। लोग खेती करते हैं। चाय, अदरक और अन्य फसलें यहां उगाई जाती हैं। बारिश के कारण यहां की हरियाली देखते ही बनती है। पहाड़, झरने और घने जंगल इस जगह को स्वर्ग जैसा बना देते हैं। पर्यटक यहां बारिश का अनुभव करने आते हैं। लेकिन लंबे समय तक रहना मुश्किल होता है। नमी के कारण फंगस और बैक्टीरिया आसानी से फैल जाते हैं। घरों में डीह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल किया जाता है। कपड़े सुखाने के लिए स्पेशल ड्रायर भी इस्तेमाल होते हैं लेकिन फिर भी पूरी तरह सूख नहीं पाते। मावसिनराम के निवासी कहते हैं कि वे इस मौसम के बिना रह नहीं सकते। बारिश उनकी जिंदगी का हिस्सा बन चुकी है। वे बारिश में भी हंसते-खेलते काम करते हैं। बच्चों को बारिश में खेलना बहुत पसंद है। लेकिन स्वास्थ्य की दृष्टि से चुनौतियां भी हैं। अस्थमा, जोड़ों के दर्द और स्किन प्रॉब्लम यहां आम है। दुनिया के सबसे गीले गांव के रूप में मावसिनराम का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज है। यहां के बादल ना सिर्फ गुजरते हैं बल्कि ठहर जाते हैं और लगातार बारिश करते रहते हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार पहाड़ी इलाके की भौगोलिक स्थिति यहां बारिश का मुख्य कारण है। भारत सरकार और मेघालय सरकार यहां पर्यटन को बढ़ावा दे रही है। लेकिन इंफ्रास्ट्रक्चर अभी भी चुनौतीपूर्ण है। सड़कें , अस्पताल और स्कूल बारिश के मौसम में प्रभावित होते हैं। फिर भी यहां के लोग हिम्मत नहीं हारते।

ये है दुनिया का सबसे महंगा तरबूज, सोने से भी ज्यादा कीमती, बिकता है 6 लाख रुपये प्रति पीस!

भारत में गर्मियों के मौसम में तरबूज हर स?क किनारे 20 रुपये किलो के हिसाब से मिल जाता है। लोग इसे काटकर ठंडक का मजा लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया में ऐसा तरबूज भी है जिसकी कीमत 6 लाख रुपये प्रति पीस तक पहुंच जाती है?

जी हां, जापान का डेंसुके वॉटरमेलन दुनिया का सबसे महंगा तरबूज माना जाता है। इस तरबूज का छिलका चमकदार काला होता है, जो इसे बिल्कुल अनोखा बनाता है। अंदर का गूदा गहरा लाल, बेहद मीठा और क्रिस्पी होता है। यह तरबूज सिर्फ जापान के होक्काइडो द्वीप के तोहमा इलाके में उगाया जाता है। यहां की ज्वालामुखी मिट्टी, ठंडी जलवायु और खास खेती के तरीके इसकी दुर्लभता और स्वाद के पीछे का राज हैं। सवाल ये उठता है कि आखिर ये तरबूज इतना महंगा क्यों है? असल में ये बेहद दुर्लभ है। पूरे जापान में बहुत कम जगहों पर इसे उगाया जाता है। किसान हाथों से हर पौधे की देखभाल करते हैं, फलों को खास तरीके से ढककर रखते हैं। बात स्वाद की करें तो सामान्य तरबूज से ये कहीं ज्यादा मीठा और क्रिस्पी होता है। हर साल सीजन का पहला तरबूज नीलामी में रखा जाता है जहां अमीर लोग लाखों रुपये खर्च करते हैं और इस तरबूज को अपने घर ले जाते हैं। पहले प्रीमियम डेंसुके तरबूज की नीलामी में रिकॉर्ड 6,100 अमेरिकी डॉलर (लगभग 5-6 लाख रुपये) तक की बोली लग चुकी है। सामान्य अच्छे क्वालिटी वाले तरबूज भी 250-300 डॉलर (20-25 हजार रुपये) में बिकते हैं। जापान में यह तरबूज लग्जरी गिफ्ट के रूप में दिया जाता है। अमीर लोग, लग्जरी होटल और स्पेशल ओकेजन्स पर इसे खरीदते हैं। किसान हर पौधे पर सिर्फ कुछ चुनिंदा फल रखते हैं ताकि बाकी फलों को ज्यादा पोषण मिल सके। फलों को खास कागज या नेट से ढककर रखा जाता है ताकि उनका काला छिलका परफेक्ट बने। पूरी प्रक्रिया हाथ से की जाती है, मशीनों का कम इस्तेमाल होता है। यही वजह है कि उत्पादन बहुत कम होता है लेकिन क्वालिटी विश्व स्तरीय होती है। यह तरबूज ना सिर्फ महंगा है बल्कि पौष्टिक भी माना जाता है। इसमें विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर होते हैं। जापानी लोग इसे ब्लैक जेवेल कहकर पुकारते हैं।

तमिलनाडु में परिवारवाद की राजनीति खत्म करेंगे : विजय

» डीएमके व एआईडीएमके पर भड़के सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने अपनी पहली रैली में हॉर्स-ट्रेडिंग के आरोपों का खंडन करते हुए डीएमके पर परिवारवाद की राजनीति का आरोप लगाया और एआईडीएमके को खत्म घोषित किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्य में अब राजनीतिक लड़ाई केवल टीवीके और डीएमके के बीच है, जिससे तमिलनाडु की राजनीतिक गतिशीलता में महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत मिलता है।

विधायकों की खरीद-फरोख्त के आरोपों का खंडन करते हुए, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने सोमवार को द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (डीएमके) और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (एआईएडीएमके) की जमकर आलोचना की और इन दोनों दलों पर दक्षिणी राज्य में सरकार बनाने के लिए मिलीभगत का आरोप लगाया। हालांकि, तमिलगा वेट्री कज़गम (टीवीके) के प्रमुख ने कहा कि तमिलनाडु में राजनीतिक लड़ाई अब केवल उनकी पार्टी और डीएमके के बीच है, और डीएमके पर परिवारवाद की राजनीति को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। एआईडीएमके के बारे में उन्होंने कहा कि पार्टी खत्म हो चुकी है और राज्य में उसका कोई भविष्य नहीं है। तमिलनाडु के नौवें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद तिरुचिरापल्ली में अपनी पहली रैली को संबोधित करते हुए विजय ने दावा किया कि डीएमके का लगातार विपक्ष टीवीके को ही फायदा पहुंचाएगा। विजय ने आगे कहा कि राज्य के अधिकारों और धर्मनिरपेक्षता पर कोई समझौता नहीं होगा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि हम स्टालिन की तरह कभी भी डगमगाएंगे नहीं। धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत पर कोई समझौता नहीं हो सकता।

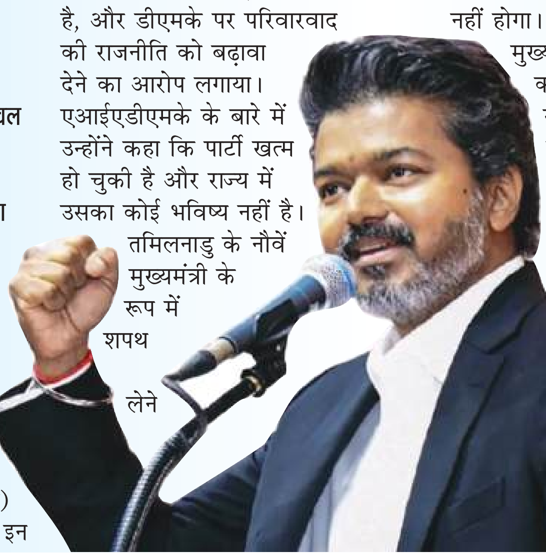

मैं राजनीति में लोगों के लिए काम करने आया हूं

उन्होंने कहा कि वे राजनीति में लोगों को झूठे वादों से गुमराह या धोखा देने के लिए नहीं, बल्कि आम नागरिकों के लिए काम करने के लिए आए हैं, और इस बारे में कोई संदिग्धता या संदेह नहीं है। अपनी रैली में मुख्यमंत्री ने यह भी पूछा कि उन्हें सूट क्यों नहीं पहनना चाहिए, क्योंकि ये दोनों रंग मानव मन के दो पहलुओं को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि वे भड़कीले रंगों के कपड़े नहीं पहनना चाहते। विजय ने कहा कि कई लोग मेरे कोट पहनने पर सवाल उठा रहे हैं। क्यों? क्या हमें कोट और सूट पहनने की अनुमति नहीं है? क्या केवल सत्ता में बैठे और प्रभावशाली लोगों को ही कोट और सूट पहनने चाहिए?

हम राज्य के अधिकारों को कभी नहीं छोड़ेंगे। हम नदी के जल पर अपने अधिकारों को कभी नहीं त्यागेंगे। हम किसी भी परिस्थिति में सामाजिक न्याय, समान न्याय और समानता पर समझौता नहीं करेंगे। विजय ने कहा कि टीवीके सरकार सभी जनता के लिए है, और राज्य के नागरिकों ने उन्हें पहला सेवक और मुख्यमंत्री बनाया है।

वंदे मातरम् को हर कार्यक्रम में अनिवार्य करना अनावश्यक और बोझिल : शशि थरूर

» केरल में राष्ट्रगीत के गायन को लेकर छिड़े एक नए विवाद के बीच कांग्रेस नेता ने दी प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद शशि थरूर ने आधिकारिक कार्यक्रमों के आरंभ और अंत में राष्ट्रगीत वंदे मातरम के सभी पांच अंतरे गाए जाने की अनिवार्यता पर गंभीर सवाल उठाए हैं। केरल में राष्ट्रगीत के गायन को लेकर छिड़े एक नए विवाद के बीच, संवाददाताओं से बातचीत करते हुए थरूर ने इस प्रथा को श्रोताओं के लिए अनावश्यक और बोझिल करार दिया। केरल में राष्ट्रगीत के गायन को लेकर जारी विवाद के बीच संवाददाताओं से बात करते हुए थरूर ने कहा कि वंदे मातरम का सभी सम्मान करते हैं, लेकिन हर समारोह में इसके सभी अंतरे बजाने को अनिवार्य करना तर्कसंगत नहीं है।

उन्होंने कहा, वंदे मातरम राष्ट्रगीत है और जब इसे गाया जाता है तो हम सम्मानपूर्वक खड़े हो जाते हैं। इसका पहला अंतरा या शुरुआती दो अंतरे, ज्यादातर लोगों को मुंह जुबानी याद होते हैं। थरूर ने बताया कि परंपरागत रूप से यह गीत किसी कार्यक्रम की शुरुआत में एक बार गाया जाता है, जबकि राष्ट्रगान अलग से, अक्सर अंत में बजाया जाता है। उन्होंने कहा, अब वे चाहते हैं कि हर कार्यक्रम की शुरुआत में और अंत में पांचों अंतरे गाए जाएं। मुझे लगता है कि यह एक अनावश्यक थोपा हुआ नियम है। थारूर ने इस बात पर जोर दिया कि उन्हें राष्ट्रगीत से कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा, हम सभी वंदे मातरम का सम्मान करते हैं। मैं खुशी-खुशी इसे आपके लिए गा सकता हूं।

टेस्ट और टी20 के नियमों में बड़े बदलावों को मंजूरी

» आईसीसी बोर्ड की बैठक में कोचिंग नियमों से पिंक बॉल ट्रायल तक लिए गये कई अहम फैसले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। आईसीसी की सोमवार को अहमदाबाद में हुई बोर्ड बैठक में क्रिकेट के विभिन्न प्रारूपों से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसलों को मंजूरी दी गई। बैठक में खिलाड़ियों, कोचों और मैच अधिकारियों से संबंधित नियमों में बदलाव के साथ-साथ टेस्ट क्रिकेट में पिंक बॉल के उपयोग के नए ट्रायल को भी हरी झंडी दी गई। आईसीसी बोर्ड ने खेल की परिस्थितियों में संशोधन को मंजूरी देते हुए यह फैसला किया है कि अब हेड कोच या उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि निर्धारित ड्रिंक्स इंटरवल के दौरान खिलाड़ियों से परामर्श कर सकेंगे।

अब तक मैच के दौरान कोचिंग संबंधी संवाद पर कड़े प्रतिबंध थे, लेकिन नए नियम के तहत तय अंतराल में रणनीतिक चर्चा की अनुमति मिलेगी। माना जा रहा है कि इससे टीमों को मैच की परिस्थितियों के अनुसार बेहतर निर्णय लेने में मदद मिलेगी। आईसीसी बोर्ड ने टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में दोनों पारियों के बीच 15 मिनट का अनिवार्य अंतराल लागू करने को भी मंजूरी दी है। इस कदम का उद्देश्य मैच संचालन को अधिक व्यवस्थित बनाना, खिलाड़ियों को पर्याप्त तैयारी का समय देना और प्रसारण संबंधी आवश्यकताओं को बेहतर तरीके से समायोजित करना माना जा रहा है। बैठक में एक अन्य महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए आईसीसी ने मैच अधिकारियों को हॉक-आई तकनीक के डेटा तक पहुंच देने की मंजूरी दी है। अब यदि किसी गेंदबाज के एक्शन को लेकर संदेह उत्पन्न होता है, तो मैच अधिकारी रिपोर्ट तैयार करने या अवैध गेंदबाजी एक्शन की जांच पर विचार करते समय हॉक-आई से प्राप्त तकनीकी आंकड़ों का उपयोग कर सकेंगे। इससे निर्णय प्रक्रिया को अधिक वैज्ञानिक और सटीक बनाने में मदद मिलेगी। आईसीसी बोर्ड ने टेस्ट क्रिकेट में पिंक बॉल के उपयोग के ट्रायल को भी मंजूरी दी है।

आईसीसी ने की क्रिकेट कनाडा की सदस्यता निलंबित

आईसीसी ने क्रिकेट कनाडा की सदस्यता को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। आईसीसी ने यह फैसला कनाडाई क्रिकेट बोर्ड द्वारा सदस्यता संबंधी दायित्वों के गंभीर उल्लंघन के चलते लिया है। हालांकि, वैश्विक क्रिकेट संस्था ने स्पष्ट किया है कि प्रशासनिक विफलताओं का खामियाजा खिलाड़ियों को नहीं भुगतना पड़ेगा। आईसीसी बोर्ड ने फैसला किया है कि निलंबन के बावजूद कनाडा की राष्ट्रीय क्रिकेट टीमें आईसीसी के टूर्नामेंटों में भाग लेने के लिए पात्र बनी रहेंगी। परिषद का मानना है कि खिलाड़ियों को उन मुद्दों के लिए दंडित नहीं किया जाना चाहिए, जिन पर उनका कोई नियंत्रण नहीं है। इसके अलावा, क्रिकेट कनाडा को आईसीसी की ओर से वित्तीय सहायता मिलती रहेगी। हालांकि यह फंडिंग आईसीसी प्रबंधन की निगरानी में नियंत्रित तरीके से जारी की जाएगी और इसका उपयोग केवल राष्ट्रीय टीमों के कार्यक्रमों एवं खिलाड़ियों की तैयारियों पर ही किया जा सकेगा।

दिल्ली में 17 साल के लड़के को चाकू से गोदा, मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के न्यू उस्मानपुर इलाके में सनसनीखेज घटना सामने आई है। सोमवार देर रात 17 साल के एक नाबालिग लड़के की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान अभिषेक के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई।

शुरुआती जांच में सामने आया है कि अभिषेक पर चाकू से कई वार किए गए थे। वारदात इतनी बेरहमी से की गई कि युवक को संभलने तक का मौका नहीं मिला। घटना की सूचना मिलने के बाद इलाके में भारी भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने मौके को घेरकर जांच शुरू की। फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से कई अहम सबूत जुटाए हैं। पुलिस ने इस मामले को भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत केस दर्ज किया है।

अचल पौधरोपण से पुराने सहयोगी को किया याद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम कर्मचारी संघ लखनऊ के पूर्व महामंत्री स्व.राम अचल की प्रथम पुण्यतिथि पर नगर निगम कर्मचारी संघ लखनऊ द्वारा श्रद्धांजलि सभा एवं अचल पौधरोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में समस्त पदाधिकारियों/कर्मचारियों ने अपने साथी स्व. राम अचल जी को याद कर उनके संघर्षों का स्मरण कर अपने विचार व्यक्त किये और भावपूर्ण मन से श्रद्धा सुमन अर्पित कर नमन किया। उक्त श्रद्धांजलि सभा में स्व.महामंत्री के ज्येष्ठ पुत्र डा. अनुराग भारती छोटे पुत्र कुलदीप भारती ने अपने पिता को स्मरण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया।

उक्त कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संघ के अध्यक्ष आनंद वर्मा ने स्व.राम अचल जी के संघर्षों के परिणाम स्वरूप ही आज नगर निगम कर्मचारी और जल संस्थान के कर्मचारियों को गृहकर जलकर,सीवर कर, मुक्त हो सका साथ ही सेवानिवृत्त कर्मचारियों को मैट्रिक पेंशन का लाभ तथा अन्य तमाम कर्मचारी हितार्थ उपल्ब्धियो के बारे में वर्णित किया। संगठन के महामंत्री शमील एकलाख द्वारा बताया गया कि महामंत्री जी सहज और सरल स्वाभाव के साथ कड़े संघर्षो के बदौलत कर्मचारी समाज के लिए दिन रात लगे रहते थे जिससे सेकडों कर्मचारियों को उनके वर्षो से वंचित लाभों को लाभान्वित कराया।

उमर सरकार की स्थिरता पर बीजेपी ने उठाए सवाल

» कल बुलाई गई आपातकालीन विधायक दल की बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में उमर अब्दुल्ला सरकार की स्थिरता पर सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि भाजपा ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेतृत्व पर गंभीर संकट का दावा किया है। 3 जून को बुलाई गई आपातकालीन विधायक बैठक को विपक्ष मुख्यमंत्री की डूबती नाव बचाने की हताश कोशिश करार दे रहा है, जो जम्मू-कश्मीर की राजनीति में बड़े बदलाव ला सकती है। जम्मू-कश्मीर में एक नया राजनीतिक विवाद छिड़ गया है, जिसमें अब्दुल्ला की सरकार की स्थिरता पर सवाल उठ रहे हैं। क्या सरकार आंतरिक कलह का सामना कर रही है? क्या विधायक नेतृत्व से नाखुश है?

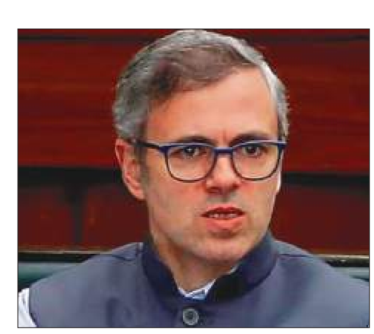

उमर अब्दुल्ला ने 3 जून को सभी विधायकों की बैठक क्यों बुलाई? ये सवाल भाजपा के इस दावे के बाद गहन राजनीतिक चर्चा का केंद्र बन गए हैं कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेतृत्व वाली सरकार को निकट भविष्य में गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए विपक्ष के नेता सुनील शर्मा और वरिष्ठ भाजपा नेता अल्ताफ ठाकुर ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री अपनी डूबती नाव को बचाने के लिए हताशा में आखिरी कोशिश कर रहे हैं। भाजपा नेताओं ने जोर देकर कहा कि जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक परिदृश्य में जल्द ही बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं और दावा किया कि मौजूदा सरकार का अस्तित्व खतरे में है। भाजपा के दावों का जवाब देते हुए, अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेता मुंतजरि मेहदी ने स्वीकार किया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के कुछ विधायकों में असंतोष मौजूद है। मेहदी ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के कई विधायक पार्टी से नाखुश हैं और पार्टी छोड़ना चाहते हैं।

कई विधायक उमर के नेतृत्व से नाखुश : अल्ताफ ठाकुर

भाजपा नेता अल्ताफ ठाकुर ने कहा कि सत्ताधारी पार्टी के कई विधायक उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व से नाखुश हैं। उन्होंने दावा किया कि उन्हें मनाने के पिछले प्रयास विफल रहे थे और 3 जून की बैठक असंतुष्ट विधायकों को वापस लाने और सरकार को बचाने का अंतिम प्रयास था। ठाकुर ने आगे कहा कि यह असंतुष्ट विधायकों को समझाने और सरकार को बचाने का आखिरी प्रयास है। उमर के प्रयास विफल होने तय हैं। 3 जून तक इंतजार कीजिए और देखिए बैठक के बाद क्या होता है।

लेबनान पर हमले, कांग्रेस ने उठाये पीएम मोदी की चुप्पी पर सवाल?

ईरान इजरायल में तीसरे चरण के युद्ध की शुरुआत!

भारतीय अर्थव्यवस्था पर सीधा असर पड़ना तय बदलना होगा लाइफ स्टाइल

कांग्रेस बोली पीएम मोदी को मदरलैंड नहीं बल्कि तथाकथित फादरलैंड की ज्यादा चिंता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बीती रात इजरायल द्वारा बेरूत स्थित हिजबुल्ला के ठिकानों पर किये गये भयंकर हमलों के बाद इजरायल ने अमेरिका के साथ चल रही शांति वर्ता को रोक दिया है और सभी प्रकार की बातचीत से अलग हटकर जंग को अगले पड़ाव की ओर ले जाने का एलान कर दिया है। ईरान के इस रुख के बाद ईरान-अमेरिका और इजरायल के बीच जारी जंग के तीसरे चरण में पहुंच चुकी है। मध्य पूर्व से आ रही खबरों के बाद कच्चे तेल की कीमतों में भी तूफान आ चुका है जिसका असर विश्व अर्थव्यवस्था पर पड़ना लाजमी है।

शांति वर्ता के आगे बड़ने से तेल की कीमतों में नमी आयी थी और हमने बस राहत की सांस लेना शुरू ही की थी। आर्थिक जानकारों का कहना है कि तीसरे चरण की जंग का असर भारत पर सीधे पड़ेगा और स्थितियां और नाजुक हो सकती है। ऐसे में एक्सपर्ट का यही कहना है कि डरना मना है और सयंमित जीवन जीने की आदत डाल लेना चाहिए।

राज्यसभा सदस्य और कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने लेबनान पर इजरायल के हमलों की निंदा की है। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। जयराम रमेश ने कहा कि सरकार ने इजरायल की ओर से लेबनान को तबाह करने और अमेरिका-ईरान समझौते को पटरी से उतारने की कोशिशों पर पूरी तरह चुप्पी साध रखी है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा है कि पश्चिम एशिया में युद्ध को रोकने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत जारी है। ऐसे किसी समझौते का तत्काल प्रभाव होर्मुज स्ट्रेट के फिर से खुलने और तेल की कीमतों पर दबाव कम होने के रूप में सामने आएगा और इन दोनों मुद्दों से भारत के बड़े हित जुड़े हुए हैं। जयराम रमेश के मुताबिक यह बातचीत अब तक अंतिम रूप नहीं ले सकी है जिसकी मुख्य वजह लेबनान में इजरायल की जारी सैन्य कार्रवाई है जिसमें अभूतपूर्व घुसपैठ देखने को मिली है। खुद राष्ट्रपति ट्रंप ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को लेकर बेहद नाराजगी और गुस्सा जाहिर किया है यहां तक कि अपशब्दों का इस्तेमाल भी किया है। दुनिया के कई अन्य देशों ने भी लेबनान में इजरायल के हमले की निंदा की है। जयराम रमेश ने पोस्ट में लिखा कि हैरानी की बात नहीं कि जिस एक सरकार के मुखिया ने इजरायल की ओर से लेबनान को तबाह करने और अमेरिका-ईरान समझौते को पटरी से उतारने की कोशिशों पर पूरी तरह चुप्पी साध रखी है वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। क्या तथाकथित फादरलैंड उनके लिए उनकी असली मदरलैंड से कहीं ज्यादा मायने रखती है।

ईरान ने अमेरिका के साथ रोक दी बातचीत

ईरान ने एलान किया है कि वह अमेरिका के साथ मीडिएटर के जरिए मैसेज का लेन-देन रोक रही है। तस्नीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक तेहरान की बातचीत करने वाली टीम लेबनान पर हमलों की वजह से अमेरिका के साथ मीडिएटर के जरिए मैसेज का लेन-देन रोक रही है। ईरानी न्यूज एजेंसी ने कहा है कि ईरान और रजिस्टेंस फ्रंट जिसमें यमन, लेबनान और इराक में उसके शिया साथी शामिल हैं ने इजरायल और उसके समर्थकों को सजा देने के लिए होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह से ब्लॉक करने और बाब अल मंडेब स्ट्रेट समेत दूसरे फ्रंट्स को सक्रिय करने का एजेंडा बनाया है। अगर यमन में ईरान के प्रॉक्सी हूती लड़ाई में एक नया फ्रंट खोलते हैं तो एक साफ टारगेट यमन के तट पर बाब अल मंडेब स्ट्रेट होगा। यह एक अहम शिपिंग चोकपॉइंट और पतला रास्ता है जो स्वेज कैनाल की ओर समुद्री ट्रैफिक को नियंत्रित करता है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने लेबनान में इजरायली ऑपरेशन का जिक्र करते हुए कहा है कि एक मोर्चे पर नहीं सभी मोर्चों पर सीजफायर का उल्लंघन है। किसी भी उल्लंघन के नतीजों के लिए अमेरिका और इजरायल जिम्मेदार हैं। तस्नीम न्यूज एजेंसी के अनुसार ईरान की सेंट्रल मिलिट्री कमांड खतम अल-अनबिया ने उत्तरी इजरायल में रहने वाले लोगों को चेतावनी दी है कि अगर वह नुकसान नहीं चाहते हैं तो इलाका खाली कर दें। आउटलेट ने ब्रिगेडियर जनरल अली अब्दुल्लाही के हवाले से कहा है कि सरकार द्वारा सीजफायर के बार-बार उल्लंघन को देखते हुए हम उत्तरी सेक्टरों और कब्जे वाले इलाकों में मिलिट्री बस्तियों के निवासियों को चेतावनी देते हैं कि अगर वह नुकसान नहीं चाहते हैं तो उन्हें इलाका खाली कर देना चाहिए।

इजरायल ने लेबनान में बड़े पैमाने पर शुरू किया अभियान

हिज्बुल्लाह को खत्म करने के इरादे से इजरायल की सेना ने दक्षिणी लेबनान में बड़े पैमाने पर अभियान शुरू किया है। आईडीएफ के इस ऑपरेशन को आईडीएफ के चीफ ऑफ स्टाफ ईयाल जमीर ने मंजूरी दी थी। अभियान से पहले उत्तरी कमान के नेतृत्व में गोलाबारी की तैयारी और अन्य परिचालन तैयारियां व्यवस्थित रूप से पूरी की गईं। इस अभियान का संदेश साफ है कि इजरायल अब सीमा पर खतरे को सिर्फ रोकना नहीं बल्कि उसको खत्म करना चाहता है। सवाल यह है कि क्या यह सिर्फ एक सैन्य कार्रवाई है या फिर उस लंबे संघर्ष की शुरुआत जो पूरे क्षेत्र को अपनी चपेट में ले सकता है? हिज्बुल्लाह कोई साधारण संगठन नहीं है। वर्षों से इसे ईरान समर्थित क्षेत्रीय शक्ति के रूप में देखा जाता रहा है। इसके पास प्रशिक्षित लड़ाके, मिसाइल नेटवर्क और सीमावर्ती इलाकों में गहरी पकड़ है। ऐसे में दक्षिणी लेबनान में इजरायली दबाव बढ़ने का अर्थ सिर्फ दो पक्षों की भिड़ंत नहीं बल्कि व्यापक क्षेत्रीय तनाव का जोखिम भी है। युद्ध की सबसे खतरनाक बात यह होती है कि वह हमेशा अपने घोषित लक्ष्य तक सीमित नहीं रहता। एक मोर्चा खुलता है दूसरा अपने आप बन जाता है। एक मिसाइल दागी जाती है जवाब में कई और आती हैं। यही कारण है कि दुनिया की निगाहें अब दक्षिणी लेबनान पर टिक गई हैं। यदि अभियान लंबा खिंचता है तो इसका असर सिर्फ युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा। समुद्री व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति, तेल बाजार और क्षेत्रीय स्थिरता पर भी दबाव बढ़ सकता है। पहले से तनावग्रस्त मध्य पूर्व में किसी भी बड़े सैन्य विस्तार के दूरगामी प्रभाव हो सकते हैं। फिलहाल इजरायल ने अपनी मंशा स्पष्ट कर दी है कि सीमा पर मौजूद खतरे को स्वीकार करने के बजाय उसे चुनौती देना। लेकिन इतिहास गवाह है कि लेबनान की धरती पर शुरू होने वाले संघर्ष अक्सर अनुमान से अधिक जटिल और लंबे साबित हुए हैं।

इबोला संक्रमित देशों से लौटें तो खुद को आइसोलेट करें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सरकार ने मंगलवार को इबोला वायरस को लेकर वैश्विक स्तर पर व्याप्त भय के बीच एक नई सलाह जारी की, जिसमें प्रभावित देशों से यात्रा करने वाले या वहां से होकर गुजरने वाले लोगों से खुद को अलग-थलग करने का आग्रह किया गया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने एक विस्तृत बयान में स्पष्ट किया कि भारत में इबोला का कोई पुष्ट मामला नहीं है।

मंत्रालय ने कहा कि इबोला प्रभावित देशों की यात्रा करने वाले और कुछ विशेष लक्षण विकसित होने पर लोगों को खुद को आइसोलेट कर लेना चाहिए और स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों को सूचित करना चाहिए। सलाह में कहा गया है कि यदि आपने पिछले 21 दिनों में इबोला प्रभावित देश से यात्रा की है या वहां से होकर गुजरे हैं और आपको बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, उल्टी, दस्त या बिना कारण रक्तस्राव आदि जैसे लक्षण दिखाई देते हैं, तो खुद को आइसोलेट कर लें और स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों को सूचित करें। सरकार ने सहायता के लिए धिकारियों से संपर्क करने हेतु एक हेल्पलाइन नंबर - 1750- भी साझा किया है। बयान में कहा गया है कि जल्दी सूचना देने से जानें बचाई जा सकती हैं और बीमारी के प्रसार को रोकने में मदद मिल सकती है।सरकार द्वारा डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान जैसे देशों की यात्रा से बचने की सलाह जारी करने के कुछ दिनों बाद यह नई सलाह आई है। पिछले कुछ हफ्तों से भारत समेत पूरी दुनिया में इबोला वायरस के प्रकोप को लेकर चिंता बनी हुई है। हालांकि, गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री प्रफुल पंशेरिया ने हाल ही में आशंकाओं को शांत करते हुए पुष्टि की है कि कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य से आए एक यात्री की संदिग्ध जांच में वायरस की पुष्टि नहीं हुई है।

10 दिन देर से भारत पहुंचेगा मॉनसून

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मॉनसून के भारत में दस्तक देने में अभी और देरी हो सकती है। मौसम विभाग ने शुरुआती पूर्वानुमान में 26 मई की तारीख दी थी, जो अब बढ़कर 4 जून हो गई है, यानी मॉनसून आने में 10 दिन की देरी हो सकती है। भारत मौसम विभाग के ताजा अनुमानों के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम मॉनसून 4 जून के आसपास केरल पहुंच सकता है।

अगर मॉनसून की बारिश केरल पहुंचने में देरी हुई तो दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा जैसे उत्तर भारत के इलाकों में भी बरसात आने का इंतजार और बढ़ जाएगा। मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के जून के पहले हफ्ते में केरल और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों के अलावा साउथ वेस्ट और साउथ ईस्ट अरब सागर के कुछ और हिस्सों, लक्षद्वीप, बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों और बंगाल की खाड़ी के शेष हिस्सों में आगे बढ़ रहा है। इससे पहले 15 मई को मॉनसून के आगमन पर पूर्वानुमान में कहा था कि ये 26 मई को केरल पहुंच सकता है। मॉनसून सीजन 1 जून के आसपास आता है। पिछले साल मॉनसून 1 जून 25 से 8 दिन पहले ही 24 मई को ही केरल तट पर पहुंच गया था। मॉनसून ने औसत से 9 दिन पहले 29 जून तक पूरे देश को कवर भी कर लिया था. भारत मौसम विभाग ने इस साल जून से सितंबर के बीच दक्षिण-पश्चिम मॉनसून सीजन के दौरान देश के अधिकतर हिस्सों में औसत से कम बारिश होने का पूर्वानुमान जारी किया है। देशभर में औसत के 90 फीसद बारिश होने की संभावना है. बारिश में कमी आने की संभावना भी 60 फीसदी जाहिर की थी. भारत में उत्तर भारत और मध्य भारत के साथ पश्चिम भारत का बड़ा हिस्सा मॉनसून की बारिश पर निर्भर करता है. इसका सीधा असर खरीफ सीजन के दौरान फसलों की बुआई पर पड़ता है।

कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके 6 को आएंगे भारत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके ने घोषणा की कि वे 6 जून को भारत लौटेंगे और नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करेंगे। यह विरोध प्रदर्शन दिपके की भारत की पहली यात्रा होगी, जब से उन्होंने इस व्यंग्यात्मक राजनीतिक संगठन की शुरुआत की है, जिसे सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रियता मिली है।

उन्होंने एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा कि सभी को नमस्कार, मैंने भारत लौटने का फैसला किया है। जी हां, मैं अपने देश, अपने घर, भारत लौट रहा हूं, ताकि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर सकूं। आप कई दिनों से देख रहे हैं कि हम सोशल मीडिया पर आवाज उठा रहे हैं कि पेपर लीक, नीट परीक्षा में आत्महत्या करने वाले बच्चों और लाखों छात्रों की मेहनत के व्यर्थ जाने के कारण धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि हम सभी भारत के संविधान के मार्ग पर चलते हुए एकजुट हों और शांतिपूर्वक धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग उठाएं।

स्वेच्छा से देह व्यापार करने वाली महिलाओं के लिए सुप्रीम राहत

» शीर्ष कोर्ट बोली-हर मामले को एक ही नजरिये से नहीं देखा जा सकता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने देह व्यापार, मानव तस्करी और वयस्क यौनकर्मियों के अधिकारों को लेकर एक ऐतिहासिक और दूरगामी फैसला सुनाते हुए स्पष्ट कर दिया है कि हर मामले को एक ही नजरिये से नहीं देखा जा सकता।

अदालत ने अनैतिक देह व्यापार निवारण अधिनियम के तहत चल रही कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि स्वेच्छा से देह व्यापार करने वाली वयस्क महिलाओं, तस्करी का शिकार महिलाओं और दबाव या हिंसा के कारण इस दलदल में धकेली गई महिलाओं को एक ही श्रेणी में रखकर देखना अन्यायपूर्ण है। न्यायालय ने यह भी कहा कि किसी महिला को केवल इसलिए अपराधी नहीं माना जा सकता क्योंकि वह देह व्यापार से जुड़ी हुई है।

न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपने विशेष अधिकारों का उपयोग करते हुए एक विस्तृत पीड़ित संरक्षण योजना जारी की है। इस योजना में मानव गरिमा, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और मौलिक अधिकारों को केंद्र में रखा गया है।

अदालत ने साफ कहा कि यौनकर्मियों के अधिकार हो सकते हैं, भले ही देह व्यापार करने का कोई मौलिक अधिकार न हो। यह टिप्पणी भारतीय न्याय व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत देती है, जहां पहली बार व्यक्तिगत इच्छा और स्वायत्तता को इतनी स्पष्टता से स्वीकार किया गया है।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष : 0522- 4078371 । Email : daily4pm@gmail.com ।website: www.4pm.co.in ।
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा